संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -207 बुधवार ,29 मई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

मिजोरम में भारी बारिश के कारण भूस्खलन से 27 की मौत

» आईएमडी ने जारी किया है एलर्ट...

» इनमें 2 बच्चे,रेमल तूफान के कारण बारिश से पत्थर की खदान ढही असम में भी दो की मौत...

आइजोल,28 मई 2024 (ए)। पश्चिम बंगाल में रविवार (26 मई) को आए रेमल तूफान का असर अब नॉर्थ-ईस्ट में दिखने लगा है। मिजोरम में तूफान के कारण लगातार हो रही बारिश की वजह से मंगलवार सुबह 6 बजे आइजोल में एक पत्थर की खदान ढह गई। अब तक इसमें 27 लोगों की मौत हुई है। इनमें 4 साल का लड़का और 6 साल की लड़की शामिल है। दो लोगों का रेस्क्यू भी किया गया है। मिजोरम के डीजीपी अनिल शुक्ला ने बताया कि अब तक 27 शव निकाले गए हैं। इनमें में 8 स्थानीय लोगों के हैं, जबकि 4 दूसरे राज्यों के हैं। बाकी शवों की पहचान की जा रही है। मलबे में 6-7 लोगों के दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है,लेकिन तेज बारिश के कारण इसमें दिक्कतें आ रही हैं।इसके अलावा नॉर्थ-ईस्ट के एक अन्य राज्य असम में भी आज तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। मोरीगांव जिले में ऑटो रिक्शा पर पेड़ गिरने से एक कॉलेज स्टूडेंट की मौत हो गई। चार लोग घायल हो गए। जबकि, लखीमपुर में लैंडस्लाइड के चलते एक व्यक्ति की जान चली गई। सोनितपुर जिले में एक स्कूल बस पर पेड़ गिर गया, इसमें 12 बच्चे घायल हो गए।

स्कूल-सरकारी दफ्तर बंद, सीएम की इमर जेंसी मीटिंग

लगातार बारिश के कारण मिजोरम के सभी स्कूल और सरकारी दफ्तर आज बंद कर दिए गए हैं। प्राइवेट कंपनियों को अपने कर्मचारियों से घर से काम करवाने के लिए कहा गया है।

राज्य में कई और जगह भी लैंडस्लाइड हुए हैं। इसमें दो लोगों की मौत हुई। आइजोल के सलेम वेंग में लैंडस्लाइड के बाद एक इमारत पानी के साथ बह गई, जिसके बाद तीन लोग लापता हैं।

पुलिस ने बताया कि हुनथर में नेशनल हाईवे-6 पर लैंडस्लाइड के कारण आइजोल देश के बाकी हिस्सों से कट गया है। राज्य के भीतर कई स्टेट हाईवे भी बंद हैं।लगातार बारिश से नदियों का जल स्तर भी बढ़ रहा है। नदी के किनारे के इलाकों में रहने वाले कई लोगों को हटा दिया गया है। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने राज्य में खराब मौसम को लेकर इमरजेंसी बैठक बुलाई है। इसमें गृह मंत्री के सपडांगा, मुख्य सचिव रेनू शर्मा और दूसरे बड़े अधिकारी मौजूद रहेंगे।

सीएम ने लोगों से घरों में रहने की अपील की

असम में मंगलवार को तेज हवाओं के साथ भारी बारिश ने तबाही मचाई। मोरीगांव जिले में ऑटो रिक्शा पर पेड़ गिरने से एक कॉलेज स्टूडेंट की मौत हो गई। चार लोग घायल हुए हैं। सोनितपुर जिले में एक स्कूल बस पर एक पेड़ गिर गया और 12 बच्चे घायल हो गए। लखीमपुर के गेरुकामुख में बन रहे एनएचपीसी के हाइड्रो-इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के इलाके में लगातार बारिश के चलते लैंडस्लाइड में पुतुल गोगोई नाम के व्यक्ति की जान चली गई। कामरूप जिले के पलाशबाड़ी इलाके में गिरते हुए पेड़ से बचने के चक्कर में एक व्यक्ति घायल हो गया।दिमा हसाओ जिले में भारी बारिश के बाद नदी का पानी बढ़ने से हाफलोंग-सिलचर लिंक रोड का एक बड़ा हिस्सा बह गया। दिमा हसाओ जिले के डिप्टी कमिश्नर सिमंता कुमार दास ने बताया कि हाफलोंग-सिलचर कनेक्टिंग रोड को 1 जून तक बंद कर दिया है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्य के लोगों से घरों में रहने की अपील की है।

आईएमडी ने 30 मई तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया...

मौसम विभाग के मुताबिक, सोमवार दोपहर तक तूफान रेमल कमजोर होकर गहरे दबाव क्षेत्र में बदल गया। हालांकि,भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में सोमवार से साइक्लोन का असर शुरू हो गया। असम सहित पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में सोमवार से बारिश जारी है। गुवाहाटी में कल 14 और त्रिपुरा में 11 उड़ानें रद्द हुईं।आईएमडी ने पश्चिम बंगाल, असम,मेघालय,अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम में 30 मई तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। असम और मेघालय में 29 और 30 मई को बहुत भारी बारिश की आशंका है।

संक्षिप्त खबर

डॉक्टरों ने 3 मिनट के अंदर बच्ची के फेफड़े में फंसी 4 सेमी लंबी सूई को निकाला बाहर

तंजावुर, 28 मई 2024 (ए)। तमिलनाडु के तंजावुर में एक 14 साल की बच्ची ने ड्रेसिंग करते समय सुई निगल ली।

जिसके बाद बच्ची के घरवाले डर गए। जिसके बाद बच्ची को एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया। जिसके बाद डाक्टरों ने 3 मिनट के अंदर बच्ची के फेफड़े में फंसी 4 सेमी की लंबी सूई को बाहर निकाल दिया।

हेमंत सोरेन को झटका

» सुप्रीमकोर्ट से नहीं मिली राहत

» ईडी ने जवाब के लिए मांगा वक्त...

रांची,28 मई 2024 (ए)। जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के रेगुलर बेल पिटीशन पर मंगलवार को झारखंड हाई कोर्ट में जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की वेकेशन बेंच में सुनवाई हुई, लेकिन उन्हें तत्काल राहत नहीं मिल पाई। ईडी ने इस मामले में जवाब दाखिल करने और पक्ष रखने के लिए और समय की मांग की। कोर्ट ने ईडी को वक्त देते हुए मामले की सुनवाई के लिए अगली तारीख 10 जून मुकर्रर की है।सुनवाई के दौरान सोरेन की ओर से ऑनलाइन जुड़े सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील पेश करते हुए कहा कि जिस 8.86 एकड़ जमीन पर कब्जे का आरोप लगाते हुए ईडी ने हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया है।

अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से लगा बड़ा झटका

» अंतरिम जमानत 7 दिन बढ़ाने से किया इनकार

» कहा-सीजेआई के पास जाइए...

नई दिल्ली,28 मई 2024 (ए)। दिल्ली के सीएम केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की 7 दिन की अंतरिम जमानत बढ़ाने वाली याचिका पर जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया है। अरविंद केजरीवाल ने मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट में जज जेके महेश्वरी की बेंच के समक्ष यह मामला मेंशन किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा कि हम इस संबंध में कोई आदेश नहीं दे सकते हैं। आप इस मामले को लेकर चीफ जस्टिस के पास जाइये। चीफ जस्टिस ही इस मामले में फैसला लेंगे।

आज सुप्रीम कोर्ट में जैसे ही सुनवाई शुरू हुई, अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि हम सात दिनों की अंतरिम राहत और चाहते हैं। मेडिकल टेस्ट करवाने हैं। ये कोर्ट से मिली आजादी का दुरुपयोग नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीजेआई ही इस पर फैसला लेंगे।शीर्ष अदालत ने यह भी सवाल पूछा कि आपने पिछले हफ्ते जस्टिस दत्ता के सामने इसकी मेंशनिंग क्यों नहीं की।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

» राजनीतिक दलों द्वारा चुनावी घोषणा पत्र में वादे करना भ्रष्ट आचरण नहीं...

नई दिल्ली,28 मई 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने एक मतदाता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि चुनावी घोषणापत्र के वादे भ्रष्टाचार नहीं माने जा सकते। इस आधार पर कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि चुनावी घोषणापत्र के वादों को चुनाव के नियमों के अनुसार भ्रष्टाचार की श्रेणी में नहीं शामिल किया जा सकता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और केवी विश्वनाथन की बेंच ने कर्नाटक के चमराजपेट लोकसभा क्षेत्र के एक मतदाता की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। याचिका में कहा गया था कि 2023 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जनता को आर्थिक लाभ पहुंचाने का वादा किया था और यह भ्रष्ट आचरण का हिस्सा है।

सुप्रीम कोर्ट के बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा याचिकाकर्ता का कहना है कि किसी राजनीतिक दल के उम्मीदवार का अपने घोषणापत्र में जनता को बड़े स्तर पर आर्थिक लाभ पहुंचाने की बात करना भ्रष्ट आचरण का हिस्सा है। यह मामले को बहुत खींचने वाली बात है और स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों में हमें विस्तार से जाकर चर्चा करनी होती है। इस वजह से याचिका खारिज की जाती है।

दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी की बढ़ी मुसीबत

कोर्ट ने भेजा समन

नई दिल्ली,28 मई 2024 (ए)। दिल्ली सरकार में मंत्री व आप नेता आतिशी को राउज एवेन्यू कोर्ट ने मानहानि के मामले में समन भेजा है। जिसके अनुसार उनको 29 जून को कोर्ट के सामने पेश होना है।भाजपा नेता और नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बांसुरी स्वराज ने कहा कि आप की आरोप लगाओ और भाग जाओ की पुरानी आदत है। वे झूठे आरोप लगाते रहते हैं और सोचते हैं कि उन पर कोई कार्रवाई नहीं होगी। मानहानि मामले में एसीएमएम राउज एवेन्यू ने आतिशी को 29 जून को तलब किया है।

रामलला पर भी गर्मी का असर

» पहनाए जा रहे ये वस्त्र

» फूल बिछाकर हो रही आरती

अयोध्या,28 मई 2024 (ए)। उत्तर भारत में पड़ रही प्रचंड गर्मी में रामलला के भी दिनचर्या में बदलाव करते हुए गर्मी में राहत देने वाला खाना और राहत देने वाला वस्त्र पहनाया जा रहा है। उत्तर भारत में इस वक्त नौतपा के कारण तापमान 40 डिग्री के ऊपर लगातार बना हुआ है। ऐसे में अयोध्या में रामनगरी के मंदिर में विराजमान भगवान की दिनचर्या भी बदल गई है। राम मंदिर में विराजमान बालक राम के राग-भोग में बदलाव कर दिया गया है। रामलला को भोग में दही और फलों का जूस दिया जा रहा है। उनकी शीतल आरती हो रही है. उन्हें सूती वस्त्र के कपड़े पहनाए जा रहे हैं। अयोध्या में बने राम मंदिर में रामलाल 5 वर्ष के बालक के रूप में विराजमान है। इसलिए उन्हें ठंडी और गर्मी से बचने के लिए विशेष इंतजाम किया जाता है।. इस वक्त नौतपा चलने के कारण रामलला को भोग में शीतल व्यंजन दिए जा रहे हैं और उन्हें सूती वस्त्र के कपड़े पहनाए जा रहे हैं।

एफएसएसएआई ने कहा...नहीं बेच सकते मां का दूध

» भरना पड़ेगा मोटा जुर्माना...

» एफएसएसएआई ने दी ये बड़ी चेतावनी...

नई दिल्ली,28 मई 2024 (ए)। खुले बाजार में 'मां का दूध' बेचे जाने की शिकायतों के बीच फूड रेगुलेटर एफ एसएसएआई ने सख्त चेतावनी दी है.। एफ एसएसएआई ने साफ कर दिया है कि देश में 'ह्यूमन मिल्क' की बिक्री नहीं की जा सकती. फूड रेगुलेटर ने लाइसेंसिंग अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे 'ह्यूमन मिल्क' की प्रोसेसिंग और बिक्री की मंजूरी न दें।

रिपोर्ट के अनुसार, एफ एसएसएआई ने ह्यूमन मिल्क यानी मां के दूध और उससे जुड़े प्रोडक्ट्स के अनाधिकृत व्यावसायीकरण पर एक एडवायजरी जारी की है और स्पष्ट किया है कि ह्यूमन मिल्क की बिक्री के लिए कोई अनुमति नहीं है।

फूड रेगुलेटर एफ एसएसएआई ने 24 मई को जारी एडवायजरी में कहा, 'मानव दूध और उसके उत्पादों के व्यावसायीकरण को लेकर रजिस्टर्ड समितियों से रिप्रेजेन्टेशन मिल रहे हैं। इस संबंध में ये ध्यान दिया जा सकता है कि एफएसएसएआईने फूड सैंपल सर्वे एक्ट 2006 और नियमों के तहत मानव दूध की प्रोसेसिंग और बिक्री की अनुमति नहीं दी है और इसके तहत नियम बनाए गए हैं।'

बिक्री पर लगे तुरंत रोक

फूड रेगुलेटर ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों को जारी एडवायजरी में सलाह दी है कि मानव दूध और उसके उत्पादों के व्यावसायीकरण से संबंधित ऐसी सभी गतिविधियों पर तुरंत रोक लगा देनी चाहिए।

लाइसेंसिंग और कार्रवाई

रेगुलेटर ने कहा, 'नियमों के उल्लंघन पर एफएसएस एक्ट, 2006 और उसके तहत नियमों/विनियमों के अनुसार फूड बिजनेस ऑपरेटर्स के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है.'इसके अलावा राज्य और केंद्रीय लाइसेंसिंग अधिकारियों से ये सुनिश्चित करने को कहा है कि 'मां के दूध/मानव दूध' की प्रोसेसिंग या बिक्री में शामिल एफबीओएस को कोई लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन नहीं दिया जाए.'

5 साल की सजा और जुर्माना

कुछ कंपनियां डेयरी प्रोडक्ट की आड़ मे एफ एसएसएआई का लाइसेंस लेने में कामयाब हो गईं। अब ब्रेस्ट फीडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया ने सरकार से ऐसी कंपनियों का के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया है. ।नियमों का उल्लंघन करने वालों को 5 साल की सजा हो सकती है और 5 लाख रूपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

रेप के आरोपी हिस्ट्रीशीटर का शॉर्ट एनकाउंटर

» ग्वालियर में घर में घुसकर युवती से किया था दुष्कर्म

ग्वालियर,28 मई 2024 (ए)। ग्वालियर में 22-23 मई की रात को घर में घुसकर युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने जानकारी दी कि शॉर्ट एनकाउंटर में आरोपी के पैर में गोली लगी। आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इंडिया गठबंधन की मीटिंग में शामिल नहीं होंगी ममता बैनर्जी

कोलकाता, 28 मई 2024 (ए)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी 1 जून को होने वाली इंडिया ब्लॉक बैठक में शामिल नहीं होंगी। उन्होंने कहा, मैं बैठक में भाग लेने के लिए भले ही वहां नहीं रहूंगी लेकिन मेरा दिल वहां रहेगा। इसी दिन टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी,पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी लोकसभा चुनाव में मतदान करेंगे। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि मैं इस मीटिंग में शामिल नहीं हो सकती क्योंकि हमारे यहां अभी भी कुछ अन्य राज्यों की तरह चुनाव होंगे। मैं एक तरफ चक्रवात और रिलीफ सेंटर और दूसरी तरफ चुनाव हो रहे हैं, निपट रही हूं। ऐसे में मैं कैसे जा सकती हूं? मेरी प्राथमिकता लोगों के लिए राहत सुनिश्चित करना है। मैं यहां एक मीटिंग कर रही हूं लेकिन मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं। दरअसल लोकसभा चुनाव 2024 के लिए 6 चरणों का मतदान हो चुका है और आखिरी यानि सातवें चरण के लिए वोटिंग 1 जून को होनी है। इस चुनावी महासमर के नतीजे 4 जून को आएंगे।

डेरा प्रमुख राम रहीम बरी

» हाईकोर्ट ने पलटा सीबीआई कोर्ट का फैसला

» 19 साल बाद हुई थी केस में सजा

चंडीगढ़,28मई 2024 (ए)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख बाबा गुरमीत राम रहीम को लेकर बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है। डेरे के पूर्व मैनेजर रंजीत हत्याकांड मामले में डेरा मुखी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने सीबीआई कोर्ट के फैसले को रद्द कर दिया है। इस मामले में डेरा मुखी सहित 5 दोषियों को बरी किया। जानकारी के अनुसार, 22 साल पुराना यह मामला है, जिसमें 19 साल बाद सीबीआई कोर्ट ने डेरा मुखी राम रहीम को दोषी करार दिया था। रामरहीम फिलहाल, जेल में बंद है और पत्रकार हत्याकांड और साध्वी रेप केस में उसे सजा हुई है।

10 जुलाई 2002 का यह मामला है। डेरे की प्रबंधन समिति के सदस्य रहे कुरुक्षेत्र के रणजीत सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। डेरा प्रबंधन को शक था कि रणजीत सिंह ने साध्वी यौन शोषण की गुमनाम चिट्ठी अपनी बहन से ही लिखवाई थी। पुलिस जांच से असंतुष्ट रणजीत सिंह के बेटे जगसीर सिंह ने जनवरी 2003 में हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग की थी। उसके बाद मामला सीबीआई को सौंपा गया था और फिलहाल, अक्तूबर 2021 में डेरा मुखी सहित पांच आरोपियों को दोषी करार दिया गया था।

समाजवादी पार्टी का 3 दिन में तेरहवीं करूंगा:नारद राय

लखनऊ,28 मई 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के मतदान से कुछ दिन पहले समाजवादी पार्टी को पूर्वांचल में बड़ा झटका लगा है। उसके वरिष्ठ नेता नारद राय ने पार्टी छोड़ने और भाजपा में शामिल हो गए हैं।. नारद राय ने बड़े न्यूज़ चैनल को बयान देते हुए कहा है कि समाजवादी पार्टी का 3 दिन में तेरहवीं करूंगा। उन्होंने सोमवार रात 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की प्रशंसा की। नारद राय दिवंगत सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के करीबी माने जाते हैं। नारद राय ने कहा, 'परिवार का घर छोड़ते हो या पार्टी छोड़ते हो तो तकलीफ होती है. और खास तौर ऐसी पार्टी छोड़ने में जहां मैंने अपनी जिंदगी के 40 साल गुजार दिए. छोटे लोहिया (जनेश्वर मिश्र) ने मुझे छात्र राजनीतिक से निकालकर मुख्य धारा की राजनीति से जोड़ा। उनके आशीर्वाद से एमएलए बना, मंत्री बना और जितना हुआ विकास भी किया। इलाहाबाद में जब जनेश्वर मिश्र नहीं रहे तो मैं रो रहा था।

संपादकीय

बच्चों का मरना भयावह

राजकोट के टीआरपी मॉल के गेमिंग जोन में भीषण आग लगने से 33 लोगों की मौत हो गई। इनमें बच्चे भी हैं। सप्ताहांत के कारण मॉल में बहुत भीड़ थी।बता रहे हैं कि गेमिंग जोन में वेल्डिंग का काम भी चल रहा था। इसमें बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं था। लोग भीतर ही फंसे रह गए। धुआं इतना था कि पांच किलोमीटर दूर से नजर आ रहा था। आग के दरम्यान वहां का अस्थायी ढांचा भी ढह गया।चश्मदीदों का कहना है कि अग्नि शमन की गाड़ियां बहुत देर से पहुंचीं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ढांचे में बहुत सारे टायर होने के कारण धुआं अधिक फैला। सवाल है कि यहां गेमिंग की मंजूरी कैसे और किसने दी? अग्नि शमन विभाग द्वारा एनओसी ली गई या नहीं, आपातकालीन निकास की व्यवस्था क्यों नहीं थी? राज्य में इसी साल जनवरी में वडोदरा की झील में नाव डूबने के कारण बारह बच्चों की मौत हो गई थी।उससे पहले मोरबी सस्पेंशन ब्रिज ढहने से 135 लोग मारे गए थे, जिनमें एक तिहाई बच्चे थे। 2019 में सूरत के कोचिंग सेंटर में लगी आग में बाइस छात्रों की मौत हो गई थी। सिलसिलेवार होने वाली इन भीषण घटनाओं को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि राज्य में शासन और व्यस्थागत गड़बड़ियां चरम पर हैं। बार-बार दुर्घटनाओं के बाद जांच और कुछ दोषियों के खिलाफ कदम उठाकर मात्र लीपापोती कर दी जाती है। एक साथ इतने लोगों की मौत, उस पर भी बच्चों का मरना भयावह है।इस वक्त देश में भीषण गरमी पड़ रही है जिसके चलते आग लगने की घटनाएं आम हो गई हैं। दिल्ली के केअर सेंटर में भी शनिवार की रात ही आग में जल कर सात नवजात मर गए। बता रहे हैं, ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से वहां आग फैल गई। कुछ नवजात अभी लापता हैं, जिनके पालक इधर-उधर भटक रहे हैं। व्यावसायिक स्थलों पर सुरक्षा को लेकर इतनी लापरवाही कैसे बरती जाती है। इसके लिए जो लोग दोषी हैं, उनको सख्त सजाएं क्यों नहीं दी जातीं।से सभी दोषियों को लंबे समय के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार में या सहायक के तौर पर मदद के लिए लगाया जाए। जरूरी है कि गर्मी आने से पूर्व ही अस्पताल जैसे इदारों में अग्नि शमन प्रणाली को रूटीन बनाकर उन पर नजर रखने की कवायद लगातार जारी रखी जाए।

निर्णायक क्षण:एक गलती से सदियों की सजा मिलेगी

देश सिर्फ पानी बिजली और सडकों से नहीं बनता...राष्ट्र की आत्मा और चैतन्य होता है...उस चैतन्य को जागृत होते हम देख रहें हैं तो विदेशी शक्तियां बौखला गयीं हैं...हर कीमत पर वे इस चैतन्य यात्रा को रोकना चाहते हैं स्वार्थी विकृत सोच के भारतीयों की ही मदद से...

सही और गलत के मध्य बारीक धागे सा अंतर होता है लेकिन एक सही निर्णय राष्ट्र का निर्माण तो उसी गलत फैसला उस देश के लोगों को सदियों तक सजा देता है। ग़ज़नवी हज़ार मील से भारत आया, सोमनाथ तोड़कर हज़ारों को गुलाम बनाकर हमारी धरती से ले गया- सही निर्णय होता कि सब भेद स्वार्थ भूलकर उसको रोकते,ख़त्म कर देते। ऐसा नहीं हुआ, शताब्दियों तक भारत को दुःख और दासता झेलनी पडी।

पानीपत में एक निर्णय गलत हुआ- आपसी समझ और भोजन की जिम्मेदारी के अहंकार ने जीती बाजी हरवा दी। 1947 में सत्ताकामी नेताओं की महत्वाकांक्षाओं ने विभाजन का गलत निर्णय लिया, दस लाख हिन्दू सिखों का नरसंहार हुआ, उसके बाद आज तक हम युद्ध की निरंतर विभीषिका झेल रहें हैं।

पटेल की जगह नेहरू को प्रथम प्रधानमंत्री बनाने का गलत निर्णय हुआ, देश ने तुरंत एक लाख पचीस हज़ार वर्ग किलोमीटर भूमि के हाथों खोयी, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सेना के स्थान पर केंद्रीय आरक्षी पुलिस की गश्ते लगवाईं। अक्साई चीन खोया। आज उसका दंश और निरंतर युद्ध हम झेल रहे हैं।

चुनाव भी केवल कुछ जाने अनजाने, अच्छे या कम अच्छे लोगों को लोकसभा भेजने का उपक्रम नहीं- यह राष्ट्र रक्षा के निमित्त युद्ध ही होता है जिसमें शताब्दियों भविष्य दांव पर लगा होता है। सही शासक राष्ट्र का नवीन निर्माण करते हैं- यदि विदेशी धन और मन वाले क्षुद्र विवेकी गए तो अच्छा खासा साम्राज्य ढहते देर नहीं लगती।

देश रक्षा के निर्णायक क्षणों में भी बहुत से लोग कहते देखे गए- मोदी तो ठीक है लेकिन जिनको टिकट दिया गया उनमें बहुत से निकम्मे और संवेदनहीन हैं, या सारे कांग्रेसी भर दिए- अब हम किसको पहचाने? वे भूल जाते हैं की युद्ध के समय सेनापति के निर्णय पर बहस नहीं हो सकती- सिर्फ सेनापति को देखो, हर सैनिक में सेनापति की छवि देखो,देश विजयी बनाने के लिए कटिबद्ध होकर जूझो और विजयी होकर निकलो- बस यही एक लक्ष्य होता है।

ग़ज़नवी और गोरी हमारे अपने उन पूर्वजों की कमजोरियों और इन्ही स्वार्थों के कारण आए और हमें लूट गए जो कहते थे,हमारा क्या,हम अपनी जमींदारी, अपने हित संभाल रहे हैं। मुट्ठी भर अंग्रेज तीस करोड़ भारतीयों पर ढाई सौ वर्ष राज कर गए-इन्ही स्वार्थी कूप मंडूक भारतीयों की सहायता से। इन्हीं भारतीयों ने अपने ही भारतीयों पर विदेशी शासकों के आदेश से जलियांवाला में गोलियां चलाईं और सावरकर जैसे हज़ारों क्रांतिकारियों पर अत्याचार किये। भगत सिंह, राजगुरु सुखदेव को फांसी देने के फैसले पर पाखंडी मुहर लगाने के लिए लाहौर के अंग्रेज जज को स्थानीय गवाहियां चाहिए थीं- तीन सौ सिख मुस्लिम और सनातनी हिन्दुओं ने गवाहियां दीं- वे सब भारतीय थे। उनके नाम राष्ट्रीय अभिलेखागार में फाइलों में हैं। सिर्फ राय साहबियत, राय बहादुरी खिताब लेने, साउथ नार्थ ब्लॉक बनाने की ठेकेदारी लेने हमने अपने देश के खिलाफ खड़े होने में लज्जा महसूस नहीं की। मुझे क्या मिलेगा? इसी प्रश्न पर हम देश की सदियों को ग़ुलामी और विनाश के अँधेरे में झोंक देने में संकोच नहीं करते।

देश सिर्फ पानी बिजली और सडकों से नहीं बनता। राष्ट्र की आत्मा और चैतन्य होता है। उस चैतन्य को जागृत होते हम देख रहें हैं तो विदेशी शक्तियां बौखला गयीं हैं। हर कीमत पर वे इस चैतन्य यात्रा को रोकना चाहते हैं- स्वार्थी विकृत सोच के भारतीयों की ही मदद से।

पराक्रमी और विजय की ओर उन्मुख नेतृत्व राष्ट्र निर्माण करता है,मुफ्त पानी, बिजली और लैपटॉप नहीं देता। बलिदानी सैनिकों की स्मृति यदि नागरिकों को सशक्त नेतृत्व निर्माण हेतु प्रेरित नहीं उनको राष्ट्र की किसी भी कल्याण योजना का लाभ उठाने का भी अधिकार नहीं हो सकता।

क्या आज का भारत,अपने राष्ट्र के मूल स्वभाव और सभ्यता की रक्षा करने वालों के साथ पराक्रम दिखते हुए खड़ा होगा या ग़ज़नवी को रास्ता देने वालों की तरह केवल अपने लिए मुफ्त बिजली पानी मिलने तक सीमित रहेगा? पिछले वर्षों में खालिस्तान का आतंकवाद, कश्मीर से कोयंबटूर तक के जिहादी विस्फोट, हिन्दुओं का हर कदम पर अपमान, हर वर्ष होने वाले दंगे, पाकिस्तानी आतंकवाद, गरीबी का फैलाव, सडकों की जगह गड्ढे। राशन की तरह खुशामद कर करके गैस के सिलिंडर लेने की कवायद, कठिन और बेतरतीब रेल यात्रायें, विदेशों में हमारे प्रति एक तिरस्कार और गरीब-पिछड़े-सबसे भ्रष्ट देश होने की दृष्टि से भारतीयों की ओर देखने वाले विदेशी- क्या यह सब हम भूल गए और इसमें हुआ विराट परिवर्तन हममें कोई उत्साह और जोश पैदा नहीं करता?

पांच सौ वर्ष तक चले संघर्ष के बाद भी अयोध्या में राम मंदिर का विरोध करने वाले हिन्दुओं ने अपनी पत्रिकाओं में वहां शौचालय बनाने के सुझाव दिए- इस मानसिकता को पराभूत किसने किया? किसने हिन्दू गौरव की पुनःस्थापना की? किसने कहा कश्मीर में एक भी सांप और जिहादी चोर को जिन्दा नहीं छोड़ेंगे? संघ के स्वयंसेवक और तपस्वी प्रचारक दीखते नहीं लेकिन देश बदल देते हैं। वे हज़ारों गैर काषाय वस्त्र धारी प्रचारक जिन्होंने मां से घर छोड़ते समय आशीर्वाद लेते हुए सिर्फ यही कहा था- भारत माता विजयी हो केवल यही अब जीवन का व्रत है- उनके तप के रंग के खिलने का समय यही है जब भारी मतदान द्वारा राष्ट्र घातक तत्वों को पराभूत करने का दम ख़म दिखाया जाये। उन्ही प्रचारकों में से एक नरेंद्र मोदी ने देश बदला, साहसिक निर्णय लिए और अब आधारभूत ऐसे परिवर्तन करने का समय है जिनसे आगामी सदियों का भारत सदैव के लिए शक्ति पथ पर चलेगा। यह नवीन भारत के लिए एक ऐतिहासिक निर्णायक क्षण है। कभी किसी को ऐसा लिखना न पड़े कि- लम्हों ने खता की थी-सदियों ने सजा पायी। बल्कि हम कहें-लम्हों ने संभाला था- सदियों ने संवारा है।

-तरुण विजय-

एफपीओ किसानों की उन्नति के पर्याय

उत्तम खेती मध्यम बान, निषिध चाकरी भीख निदान अर्थात खेती सबसे अच्छा काम है, व्यापार मध्यम है, नौकरी निषिद्ध है और भीख मांगना सबसे बुरा काम है।जनकवि घाघ ने जब यह दोहा लिखा होगा उस समय खेती-किसानी न सिर्फ सम्मानजनक पेशा था, बल्कि किसान सबसे ज्यादा खुशहाल था। लेकिन आजादी के बाद कृषि क्षेत्र की उपेक्षा के चलते हालात इस कदर बिगड़ गए कि कृषि न केवल घाटे का सौदा बन गई, बल्कि किसान आत्महत्या करने को विवश हुआ। अब जलवायु परिवर्तन के चलते हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। अध्ययनों की मानें तो अकेले भारत में 2050 तक वर्षा आधारित चावल की पैदावार 20 प्रतिशत और 2080 में 47 प्रतिशत तक की कमी की आशंका है। जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित संयुक्त राष्ट्र के अंतरसरकारी पैनल की हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले दो दशकों में वैंकि तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस या इससे भी अधिक की बढ़ोतरी होगी जिसका असर पानी की उपलब्धता से लेकर कृषि और खाद्य सुरक्षा पर पड़ेगा। भारत सरीखे देशों को तो ग्लोबल वार्मिंग से उपजी परिस्थितियां खास परेशान करेंगी क्योंकि भूजल का 89 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र ही उपयोग करता है। इसलिए तापमान बढने से भारत जैसे देशों में खेती पर दूरगामी असर पड़ेंगे। भारत में दुनिया की 18 प्रतिशत आबादी रहती है, मगर कुल वैंकि जल संसाधनों का 4 प्रतिशत ही उपलब्ध है। बावजूद इसके आजादी के बाद दशकों तक सरकारों द्वारा कोई ठोस प्रयास नहीं किया जाना समझ से परे है।दरअसल,सरकारों के लिए किसान राजनीतिक मोहरा रहे जिन पर राजनीति तो खूब हुई लेकिन उनकी स्थिति सुधारने, आमदनी बढ़ाने,खेती को घाटे से फायदे का सौदा बनाने के प्रति गंभीर प्रयास नहीं किए गए। यही वजह है कि किसानों की स्थिति में सकारात्मक सुधार नहीं हुए। इस लिहाज से पिछला दशक भविष्य के प्रति आस्त करता है। 2014 में सरकार बनने के बाद से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की आय बढ़ाने के साथ टिकाऊ खेती की योजना बनाई। 2016 में सरकार ने कृषि आय को दोगुना करने के तरीकों का सुझाव देने के लिए गठित समिति की सिफारिशों पर तेजी से अमल किया जिसमें सबसे अहम है प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना। दुनिया की सबसे बड़ी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम माने जाने वाली इस योजना में देश के 11 करोड़ से अधिक किसानों को 2.61 लाख करोड़ रु पये से अधिक का लाभ मिला है।सरकार किसानों को कई तरह की सब्सिडी भी दे रही है। फर्टलाइजर सब्सिडी का बजट ही प्रति वर्ष 2 लाख करोड़ रु पये से अधिक है। सरकार टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के प्रति भी सजग है। एक राष्ट्र-एक फर्टलाइजर जैसी पहल,नीम और सल्फर कोटेड यूरिया इस दिशा में उठाया गया ठोस कदम है। सरकार अब पर ड्राप, मोर क्रॉप का लक्ष्य,ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी सूक्ष्म सिंचाई टेक्नोलॉजी को अमल लाकर जल उपयोग दक्षता को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए एक सूक्ष्म सिंचाई कोष की स्थापना भी की गई है जिसके लिए राज्यों को 18,000 करोड़ से अधिक की केंद्रीय सहायता जारी की गई है। सरकार कृषि में व्यापक बिजली खपत के लिए सौर ऊर्जा का विकल्प भी दे रही है।समय अब परंपरागत खेती की जगह अत्याधुनिक संसाधनों से खेती का है। खुद प्रधानमंत्री भी अक्सर इनोवेटर्स और रिसर्चर्स से आग्रह करते हैं कि प्रति इंच जमीन पर अधिकाधिक फसल' के बारे में सोचें। कृषि आय बढ़ाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को बजट से आंका जा सकता है। कृषि और संबद्ध गतिविधियों के बजट को 4.35 गुना बढ़ाकर 2013-14 के 30,223 करोड़ से 2023-24 में 1.3 लाख करोड़ रु पये से अधिक किया गया है। सरकार भी प्रत्येक किसान को किसी न किसी रूप में औसतन 50,000 रु पये प्रदान कर रही है। इन सबके सकारात्मक परिणाम दिखने लगे हैं। एनएसएसओ के हालिया सिचुएशन असेसमेंट सर्वे (2018-19) के अनुसार, मासिक कृषि घरेलू आय 2012-13 में 6,426 से बढ़कर 2018-19 में 10,218 रु पये हो गई। दरअसल, मोदी सरकार ने सहकार से समृद्धि' के स्वप्न को साकार करने हेतु एफपीओ के गठन का निर्णय लिया था। आज एफपीओ किसानों की उन्नति के पर्याय बन गए हैं। अकेले समुन्नति संस्था 6500 से अधिक एफपीओ के साथ मिल कर 8 लाख से अधिक किसानों के जीवन में बदलाव लाई है। समुन्नति के माध्यम से सकल लेन देन का आंकड़ा 22,000 करोड़ से ऊपर पहुंच गया है। सरकार को इन संस्थाओं को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि किसानों की आमदनी बढने के साथ-साथ खेती फायदे का सौदा साबित हो सके।

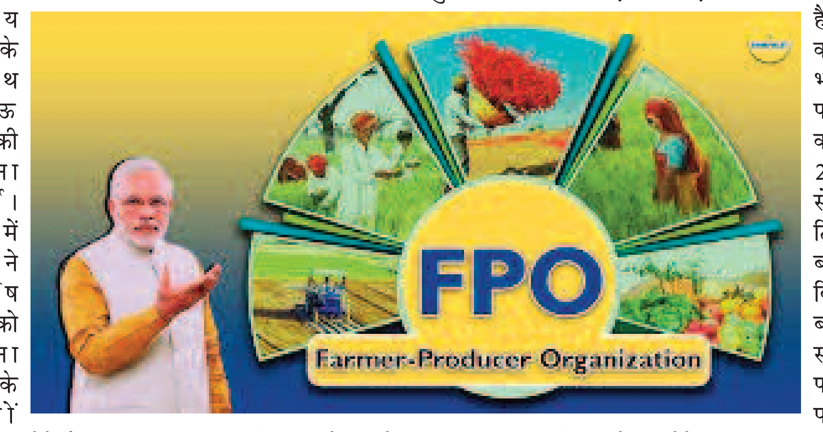

-संजीव मिश्र-

जातीय संघर्ष:राष्ट्र के विकास का दहकता इस्पाती दस्तावेज

» संघर्ष राम का दस्तावेज है रावण की लंका का अमर अभिशाप

» संघर्ष विराम पाया जीवन, यही भव का महा भयंकर पाप :ज्ञानीचोर

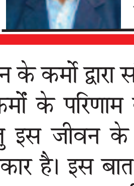
राजेश बिंजवाल
ज्ञानीचोर
रघुनाथगढ़,
सीकर,राजस्थान

जन्म और मरण के बीच जगत में जो कुछ भी सत्य है वही भौतिक जीवन है। जीवन को जीने के अपने स्वतः परिचालित कुछ नियम है जो हमारे पूर्व जन्म और इस जीवन के कर्मों द्वारा संचालित है। पूर्व जन्म के कर्मों के परिणाम को टाल नहीं सकते किन्तु इस जीवन के कर्म पर हमारा पूर्ण अधिकार है। इस बात को हर कोई जानता है किन्तु मनुष्य अपनी जीवन सुविधा के लिए आदिकाल से अब तक स्वनिर्मित एक व्यवस्था का पालन भी करता आ रहा है और कालानुक्रमिक संशोधन भी।

'संघर्ष तो प्रकृति का स्वर्णिम अंकुर है जिससे सृष्टि उत्पन्न हुई तथा यह प्रकृति का प्रारम्भिक मौलिक गुण भी है। यहीं गुण व्यक्तिगत भी है और सार्वभौमिक भी है। समान रूप से हर स्तर पर इसके व्यापक प्रभाव परिलक्षित होते है।

वर्गहीन,संघर्षहीन,जातीय संघर्षहीन समाज की कल्पना दार्शनिकों, विचारकों ने की है। यह एक अच्छा आदर्श भी है। किन्तु मैं मानता हूँ कि संघर्षहीन समाज नहीं होना चाहिए, न हो सकता और न कभी होगा।

संघर्षहीन,वर्गसंघर्षहीन समाज का कोई औचित्य नहीं है। जो देश- समाज इस संघर्ष से वंचित है वह कदापि जीवंत नहीं हो सकता। वह राष्ट्र संवेदनहीन और पिछड़ा है। मेरा अभिप्राय ये नहीं है कि समाज जातिगत रूढ़ बंधन में बंधा रहे। ये जातिबंधन किसी समय कबीलों की पहचान रही है। और उस समय ये जाति आधारित समाज की पहचान का आविष्कार एक दहकता इस्पाती जीवंत दस्तावेज था। सांस्कृतिक विकास की की अमिट गाथा बन गई। वृहदाकार पाकर ये आविष्कार कठोर हो गया और मानवीय जीवन के इतिहास का कलंक बन गया। जातिगत धारणा जब रूढ़ हो गई तब पहचान के लिए उस समय नया आविष्कार हुआ। अब जाति से ऊपर वर्ग हो गया। जातियाँ वर्ग में समाहित हो गई। ये विभाजन की सबसे पहली शुरूआत थी। काम के आधार पर बनाये गये वर्ग जन्म के आधार पर मान लिए गए तब समाजवादी विचारकों का जन्म नहीं हुआ था। यह वर्गीय निर्धारण का आधार मनुष्य को बेड़ियों में जकड़ता दुर्दशा की ओर ले गया। तब स्वच्छ सामाजिक संघर्ष उत्पन्न हुआ। उससे पहले उत्पन्न सामाजिक संघर्ष सिर्फ व्यक्ति को अपने और कबीले के अस्तित्व के लिए लड़ना सीखा रहा था। मानवीय संवेदनशीलता ने व्यक्ति को समाज के लिए लड़ना सिखाया।

मैं कार्ल मार्क्स के विचारों से सहमत होकर भी मतैक्य नहीं रखता। मार्क्सवादी विचारों से संघर्ष करके क्रांति कर लाया परिवर्तन अराजकता,गृहयुद्ध और तानाशाही प्रवृत्ति को जन्म देता है। किंतु संघर्ष की शिक्षा देकर जातिगत रूढ़ बंधन तोड़कर समाज को विकसित करता है और लोकतंत्र का मार्ग प्रशस्त कर उसे बनाये भी रखता है।

मैं जिस संघर्ष की पैरवी कर रहा हूँ वो इस प्रकार वर्णित है। प्राचीन समय में जब मनुष्य जब आदिम अवस्था में था तब वे सब एक समान थे उनके समूह में जो कुशल व सक्षम था उसका नेतृत्व उन्होंने स्वीकार किया। यह परम्परा चल पड़ी। जनसंख्या बढ़ी और कबीलों का आपसी सम्पर्क बढ़ा तब उनको पहचान की आवश्यकता पड़ी तब किसी सामाजिक श्रृंखला की कड़ी की शुरुआत हुई जिनसे उनके कबीलों की पहचान बनी। कबीलें विस्तृत हुए और आपस में संयुक्त हुए तब यह पहचान किसी काम की नहीं रहीं। पहचान संकट देखकर जाति जैसी कोई नई धारणा का जन्म हुआ। जिसमें बहुत से कबीलें के लोग मिलकर रहने लगे अपनी पहचान भी बनाये रखी। यहीं से सभ्य समाज की तथा समाजवाद की नींव पड़ी।

इसी से विकसित होकर यह सभ्यता आज के युग प्रविष्ट हुई।

हम जातीय सामाजिक जीवन संघर्ष पर विचार करे तो परिणाम हमारे सामने आयेंगे। मेरे अनुसार ये निष्कर्ष ऐसे है ङ्क जाति के बाद वर्ग उत्पन्न हुआ। वर्ग कर्म(जीवनवृत्ति) के आधार पर बना बाद में जन्म आधारित हुआ तो सामाजिक दुर्दशा होने से वर्ग की जातियाँ संघर्ष करने लगी। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य तथा शूद्र इन चारों में स्वयं में तथा आपस में संघर्ष हुआ। परिवार स्वरूप वर्गीय व्यवस्था बिखर गई। वंशीय,कुलीय परम्परा शासन में आई। ब्राह्मण वर्ग में आन्तरिक बदलाव आया पर बिखरा नहीं। जब भारत में केन्द्रीय शक्ति नहीं रहीं और विदेशी मुस्लिम आक्रांताओं आक्रमण किया और शासन स्थापित कर रहीं बस गये तब जातीय संघर्ष के साथ साम्प्रदायिक संघर्ष भी शुरू हो गया। जातीय सर्वोच्चता को धक्का लगा। जब इनमें सामंजस्य होने लगा तब अंग्रेज आये और नये जातीय संघर्ष, साम्प्रदायिक,सांस्कृतिक,धार्मिक संघर्ष की शुरुआत हुई। मुसलमानों के आने से धार्मिक संघर्ष भी हुआ। परन्तु जातीय जीवन इतना प्रभावित नहीं हुआ। अंग्रेजी व्यवस्था में जातीय समीकरण मिट्टी में मिले और नये जातीय बंधन जातीय उत्थान के साथ शुरू हुए। जातीय उत्थान के लिए संगठन बने। इसी समय का अवसर लाभ लेकर लोग पढ़ने लगे, जागरूक हुए। नई सामाजिक चेतना फैली। व्यक्ति को जाति के निरर्थक बंधन समझ में आने लगे किन्तु हजारों वर्षों से चली आ रही परम्परा को मिटना इतना आसान नहीं। लोग जाति के बंधन को स्वीकार कर जातीय कल्याण की भावना जुड़ गये। इसी समय आरक्षण की व्यवस्था की शुरूआत हुई।

आज की आरक्षण व्यवस्था पुरातन वर्ग विभाजन व्यवस्था के समान है। सामान्य वर्ग,अन्य पिछड़ा वर्ग,अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति आदि ये ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य,शूद्र वर्ग का ही प्रछन्न रूप है। जो जातियाँ प्राचीन समय में पिछड़ी समझी जाती थी वो संघर्ष करके प्रगतिशील हो गई, जो प्रगतिशील समझी जाती थी उनमें ठहराव आया जीवन में विकार आया और निम्न जीवन दशा की और अग्रसर हुई परिणाम स्वरुप वो जाति पिछड़ गई। आज जो जाति पिछड़ी समझी जाती है। कुछ दशक बाद वो स्वर्ण जाति होगी क्योंकि वर्तमान आरक्षण की व्यवस्था ने इनके जातीय संघर्ष को वज्रास्त्र दे दिया। इन पिछड़ी जातियों के जीवन संघर्ष से जीवन स्तर में सुधार है,उच्च जाति के समान इनका जीवन बन गया। नौकरी लगने से इनकी जातीय संस्कृति, आचार-विचार,जीवन आदर्श, सामूहिक भागीदारी, शासकीय व राजनीतिक भागीदारी ने इस संघर्ष को सकारात्मक दिशा दी है। आज के जातीय बंधन और जातीय संघर्ष कुछ दशक बाद भारतीय जातीय व्यवस्था में स्वर्णिम इतिहास लिखेंगे। पिछड़ी जातियाँ स्वर्णिम जाति होगी। और स्वर्णिम जातियाँ टूटेगी उनमें बिखराव होगा। इस बिखराव की जिम्मेदार स्थिति में शराब आदि नशीले पदार्थ महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। जातीय व्युत्क्रम होता रहेगा, यह चक्र नये स्वरूप में होगा। यह प्रक्रिया नित्य चलेगी। नये वर्ग,जाति उत्पन्न होगी, विकास के चक्र में ढलकर कई जाति पिछड़ी होगी तो कई प्रगतिशील। प्रगतिशील जातियाँ पिछड़ेगी और पिछड़ी जातियाँ प्रगतिशील होंगी। बिना इस जातीय संघर्ष के समाज का विकास नहीं होगा। व्यक्ति और समाज गर्त में चले जायेंगे। जातीय संघर्ष राष्ट्र विकास में बाधक तब बनता है जब वो खूनी संघर्ष में तब्दील हो हो जाये। हमारे यहाँ जातीय संघर्ष मानवीय संवेदना से सिक्त है।

हमारा जातीय संघर्ष कभी राष्ट्र के विकास में कभी बाधक नहीं होगा। हमारा जातीय संघर्ष व्यक्ति के कर्म से बंधा है न कि हिंसा से। व्यक्तिगत उत्थान राष्ट्र विकास की कड़ी है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

धूप छांव

अमित पाठक
शाकद्वीपी

जीवन की आपाधापी
अब थकने लगे हैं पांव,
कब तक कोई बाट निहारें, कितना
सहे ये धूप छांव,
कभी गर्मी है संघर्षो की,
कभी ठंडक भी परिणाम,
कभी लगता है आशाओं में,
जीवन बीती तमाम।
इसमें उसमें जानें किसमे
मिले कभी आराम,
धूप में जब झुलस गए तो
किया छांव विश्राम,
सोच सुनहरा सार्थक कब हो, कब
खास बने सब आम,
आशाओं के स्वर्ण पटल पर कब से
नहीं कोई नाम।

ऐ जेठ की दुपहरी

टीकेश्वर सिन्हा
गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
छत्तीसगढ़

पाँचवी मंजिल की छत पर
धमेले से मसाले ढोती पुष्पा
अपनी गीली-नमकीन देह को
फूँक रही है,
ऐ जेठ की दुपहरी !
अब तू क्यों दहकती है बेमतलब ?
कूड़े-करकट के ढेर में
अर्द्धनग्न बदन नन्ही पिंकी खाने को
कुछ ढूँढ रही है,
ऐ जेठ की दुपहरी !
अब तू क्यों दहकती है बेमतलब ?
कोलतार की चिकनी सड़क पर
चैतीबाई कच्छोरा भीरे नंगे पाँव
अपने पोते को कंधे पर लिये
चल रही है,ऐ जेठ की दुपहरी !
अब तू क्यों दहकती है बेमतलब ?

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कैसा आश्चर्य है

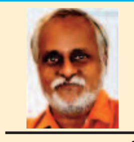
ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई,
तमिलनाडु

दर्पण पर
मेरा चेहरा अच्छा नहीं है
मैं फिर देखता हूं
मेरा चेहरा एक और बड़ा दर्पण
इस बार भी
मेरा चेहरा अच्छा नहीं है क्यों?
क्या हो रहा है ?
दर्पण में मेरा चेहरा देखना
अच्छा नहीं लगता
मेरे घर की दीवार
एक मनीकी फोटो मेरे लिए मुस्कुराहट
मैं फिर से मुस्कुरा रहा हूं
बस दर्पण देखने के साथ
मेरा चेहरा अद्भुत था
जादू कैसे होता है?
मेरे चेहरे पर हल्की सी मुस्कान है
खूबसूरती के साथ मेरी बदसूरती
भी बनती है
केवल मेरे साथ के लिए
आपके लिए नहीं....

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

लू की चपेट में सरगुजा संभाग...बलरामपुर-सूरजपुर 44.5 व अंबिकापुर का 43.5 डिग्री तापतान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 मई 2024
(घटती-घटना)।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवात का असर सरगुजा संभाग में भी देखा जा रहा था। पिछले लगभग एक सप्ताह से तापमान 40 डिग्री के नीचे ही बना हुआ था। वहीं नौतपा के तीसरे दिनों तक तापमान 39 डिग्री के आस पास ही था। वहीं लोग चिपचिपी गर्मी से परेशान थे। वहीं बंगाल की खाड़ी में चक्रवात का असर कमजोर पड़ते ही सरगुजा संभाग में तेज गर्मी पडऩी शुरू हो गई। सोमवार का अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री था। वहीं मंगलवार को 4 डिग्री का उछाल दर्ज किया गया है। बलरामपुर व सूरजपुर जिले का तापमान 44.5 व अंबिकापुर का तापमान 43.5 डिग्री दर्ज किया गया है। तापमान अचानक बढऩे से सुबह से ही असर दिखना शुरू हो गया था। सुबह से ही सूर्च की किरणें आग उगल रही थी। सुबह से लेकर देर शाम तक तेज गर्मी का एहसास होता रहा। लू की गर्म हवा चलती रही। भीषण गर्मी के चलते लोग अपने घरों से बाहर निकलना मुनासिब नहीं समझे। आवश्यक कार्य होने पर ही लोग घरों से बाहर निकले। दोपहर 12 बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट ने बताया कि 28 मई इस सिजन का सबसे गर्म दिन रहा। हिटवे जारी है। अभी दो से तीन दिनों तक तापमान में और उछाल आने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात अब कमजोर हो रहा है। वहीं उत्तर-पश्चिम से भी गर्म हवाओं के हाने का सिलसिला जारी है। इस लिए भीषण गर्मी से अभी राहत नहीं है। नौतपा के चौथे दिन भीषण गर्मी पडऩी शुरू हो गई है। घर से बाहर निकलते ही गला सूखने लग रही है। लोग बचाव के लिए तरल पेय पदार्थों की दुकान पर गला तर कर रहे हैं। गुन्ना जूस, आईसक्रिम सहित अन्य पेय पदार्थों का लोग उपयोग कर रहे हैं।

5 साल बाद 43 डिग्री हुआ पार

2017 के बाद 25 मई 2019 को अधिकतम तापतान 43.0 डिग्री दर्ज किया गया था। उसके बाद के वर्षों में मई 43 डिग्री तक गर्म नहीं हो पाया था। वर्ष 2023 28 मई को 43 डिग्री कि सीमा को पार कर 43.5 डिग्री पर पहुंचा है। अभी इसमें आगे उछाल की अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं।

पिछले 5 वर्षों में मई में अधिकतम तापमान का उच्चतम

2023 - 41.8 (तारीख 23)
2022 - 41.9 (1, 21, 22)
2021 - 38.4 (2)
2020 - 42.0 (26)
2019 - 43.0 (25)

अम्बिकापुर के मौसमी इतिहास में 44 डिग्री से ऊपर के आंकड़े

44.1 (09.05.1973)
45.0 (30.05.1988)
44.0 (29.05.1996)
44.5 (29.05.1998)
44.5 (01.05.1999)
44.2 (24.05.2002)
44.0 (24.05.2005)
44.8 (25.05.2013)
44.0 (16.05.2017)

मोबाइल के कारण 12 वर्षीय बालक ने फांसी लगाकर दी जान

- संवाददाता -
रामानुजगंज,28 मई 2024
(घटती-घटना)।

बच्चों में बढ़ती मोबाइल की लत किस प्रकार से जानलेवा साबित हो रही है यह रामानुजगंज के ग्राम मितगई में हुई घटना को देखकर सहज ही समझ जा सकता है। जहां मोबाइल देखने एवं बच्चों के बीच मामूली कहासुनी में 12 वर्ष का बच्चा इतना उग्र हो गया कि वह कमरे में जाकर दरवाजा बंद करके फांसी लगाकर लटक गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। घटना की सूचना पर जिला पंचायत के सभापति राजेश यादव मौके पर पहुंचे। जानकारी अनुसार, रामानुजगंज के ग्राम मितगई के वार्ड क्रमांक 01 निवासी आदित्य विश्वकर्मा खेत की ओर गए थे। वहीं उनकी पत्नी घर के बाहर थी, इसी दौरान सुबह 9.30 के करीब उनके बच्चों में आपस में मोबाइल देखने को लेकर मामूली कहासुनी करने लगे। इसी बीच उनका 12 वर्षीय पुत्र आशीष विश्वकर्मा इतना गुस्सा हुआ कि दूसरे कमरे में चला गया एवं फांसी पर लटक गया। घटना के मुश्किल से 2 से 5 मिनट के अंदर पिता भी मौके पर पहुंचे तो बच्चों ने बताया कि दरवाजा आशीष ने बंद कर लिया है। पिता ने तत्काल कमरे के ऊपर से खपड़ा हटाया और नीचे उतरे। आनन फानन में फंदे से उतार तत्काल बच्चों को लेकर सौ बिस्तर अस्पताल रामानुजगंज पहुंचे। जहां बीएमओ डॉ हेमंत दीक्षित ने जांच के बाद बालक को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर मौके पर जिला पंचायत के सभापति राजेश यादव भी पहुंचे। मृतक बच्चे का राजेश यादव के बगल में ही घर है।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 मई 2024
(घटती-घटना)।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामले में कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

महिलाओं व बच्चों अश्लील फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किए जाने की जानकारी कोतवाली पुलिस को एनसीआरबी दिल्ली से प्राप्त हुई थी। चाइल्ड पोर्नोग्राफी के मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपी राजा (20) निवासी मझलीपिड़ थाना कोतवाली को गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरे प्रकरण में पुलिस ने आरोपी मो. साजिद अंसारी (20) निवासी रनपुरखुर्द सरनापारा थाना गोतवाली को गिरफ्तार किया है। तीसरे प्रकरण में पुलिस ने आरोपी कृष्णानंद (30) निवासी हनुमान मंदिर के पास थाना भटगांव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 67(बी) आईटी एक्ट एवं पोक्सो एक्ट की धारा 14(1) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार,उप निरीक्षक आभाष मिंज,उप निरीक्षक सुनीता भारद्वाज,उप निरीक्षक रम्भा साहू, प्रधान आरक्षक रजनीकांत मिश्रा,महिला आरक्षक सरस्वती सिंह, आरक्षक सियाम्बर लाल पकरिया, मंटू लाल,शिव राजवाड़े, अनुग्रह तिर्की दीपक दास शामिल रहे।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पटवारी कार्यालय का संचालन... हल्का से पटवारी हुआ नदारत

» तहसील कार्यालय में जमीन दलाल सक्रिय
» पक्षकार कार्यालय का लगा रहे चक्कर

- मनोज कुमार-
लखनपुर,28 मई 2024
(घटती-घटना)।

लखनपुर तहसील कार्यालय में इन दिनो जमीन दलाल सक्रिय नजर आ रहे हैं। यह बात किसी से छुपा हुआ नहीं है। पक्षकार न्याय के लिए कार्यालय का चक्कर लगाने मजबूर हैं। तहसील कार्यालय में फौती,नामांतरण,आय,जाति, निवास,जन्म,मृत्यु प्रमाण पत्र ऋण पुस्तिका सहित अन्य मामलों को लेकर अधिकारियों के कार्यालय में नहीं बैठने से पक्षकार परेशान हैं।

हल्का पटवारी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पटवारी कार्यालय के का संचालन कर रहे है।

जिसके कारण पटवारी अपने हल्का मुख्यालय में नदारत रहते हैं जिससे ग्रामीण को परेशानियो का सामना करना पड़ता है।

तहसील कार्यालय के बगल में बने हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में एसडीएम के द्वारा समस्त हल्का पटवारी के साथ-साथ शासकीय कर्मचारियों को क्वार्टर आबंटित किया गया है । जिसके कारण अधिकांश हल्का पटवारी अपने हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से प्राप्त क्वार्टर में निवास के बजाय कार्यालय के रूप में संचालन किया जा रहा है। 11 से शाम 5:00 बजे तक यह कार्यालय के रूप में खोला जा रहा है।इसके बाद सभी पटवारी अपने-अपने घरों के लिए प्रस्थान करते है। ग्रामीणों को पटवारी से छोटे छोटे काम कराने के लिए ब्लॉक मुख्यालय के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में चक्कर काटना पड़ता है जिससे कई प्रकार की परेशानियों का सामना इन ग्रामीणों को करना पड़ रहा है। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पटवारी कार्यालयो का चक्कर लगाते लगाते ग्रामीणों के चप्पल घिस जा रहे हैं। फिर भी जमीन संबंधी काम नहीं हो पा रहा।

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में इन दिनो पटवारी निवास सहकार्यालय और तहसील कार्यालयों में जमीन दलाल सक्रिय हैं। पटवारी और अधिकारियों के द्वारा इन दलालों का काम तत्काल कर दिया जाता है। वहीं ग्रामीणों को कई दिन छोटे-छोटे कामों के लिए ब्लॉक मुख्यालय दौड़ाया जा रहा है। छोटे-छोटे कामों के लिए मुंह खोलकर पैसे की मांग ग्रामीणों से की जाती है। कई मामले तो ऐसे है की पैसा लेने के बावजूद ग्रामीणों का काम नहीं किया जा रहा है और उन्हें घुमाया जाता है। आय जाति निवास,जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र, सीमांकन ,नामांतरण फौती जैसे छोटे-छोटे प्रकरणों के लिए मोटी रकम की मांग कि जाती है। गौरतलब है की लखनपुर तहसील कार्यालय और भ्रष्टाचार का चोली और दमन का साथ रहा है। अधिकारियों और पटवारी के द्वारा पैसा लेकर शासकीय भूमि में कब्जा दिलाकर पट्टा भी बना दिया जा रहा है। यही लखनपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सोयदा में जमीन खरीदी बिक्री के मामले में पूर्व में तहसील कार्यालय के पटवारी और अधिकारियों के ऊपर आरोप लग चुके हैं।

प्रभारी तहसीलदार नीरज कौशिक

इस संबंध में प्रभारी तहसीलदार प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर नीरज कौशिक से पूछने पर उन्होंने स्वीकार किया कि हल्का पटवारी हल्का में निवास नहीं करते हैं। पटवारी हल्का में आते-जाते रहते हैं। शिकायत नहीं किया गया है इसका जांच किया जाएगा।

99 वाहन चालकों से वसूले गए 55 हजार 850 रुपए समन शुल्क

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 मई 2024
(घटती-घटना)।

यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत सोमवार को सघन चेकिंग अभियान चलाकर वाहन चलाते समय मोबाइल से बात करने, मौके पर वाहनों के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने वाले दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कुल 99 वाहन चालकों से 55 हजार 850 रुपए समन शुल्क वसूले गए हैं।

कार्रवाई के दौरान वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करने वाले 29 वाहन चालकों से कुल 8700 रुपये, मौके पर वाहनों के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने वाले 19 वाहन चालकों से 5700 रुपये, दोपहिया वाहन में तीन सवारी चलने वाले 9 वाहन चालकों से 4500 रुपये, बिना वर्दी के ऑटो व ई-रिक्शा चलाने वाले 4 लोगों से 1200 रुपये,खतरनाक ढंग से वाहन चलने वाले 3 लोगों से 6000 रुपए, रेड सिग्नल जम्प करने वाले 3 वाहन चालकों से 900 रुपये समन शुल्क वसूले गए हैं। वहीं यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले 13 वाहन चालकों से 18850 रुपए समन शुल्क वसूले गए हैं। कुल 99 वाहन चालकों से कुल 55 हजार 850 रुपए समन शुल्क वसूले गए हैं।

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर...

बालिकाओं एवं महिलाओं को स्वच्छता प्रबंधन पर किया गया प्रेरित

» माहवारी एक सामान्य प्रक्रिया, शर्माने या झिझकने की जरूरत नहीं, इस पर खुलकर बात की जानी चाहिए...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 मई 2024
(घटती-घटना)।

विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में महिला बाल विकास विभाग तथा स्वच्छ भारत मिशन के संयुक्त तत्वाधान में विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक द्वारा किशोरी बालिकाएं एवं महिलाओं में स्वच्छता प्रबंधन पर कार्य किया गया। इसके अतिरिक्त किशोरी बालिकाएं एवं महिलाओं को प्रमुख संदेश दिये गये जिसमें मसिक धर्म किशोरी बालिकाएं एवं महिलाओं के शरीर में होने वाली एक प्राकृतिक एवं सामान्य प्रक्रिया है, इससे शर्माने,झिझकने की कोई आवश्यकता नहीं है। अब मासिक धर्म के विषय में चुप्पी तोड़ने का समय आ गया है,इसके लिये लड़कों और पुरुषों को बात-चीत में जोड़ा जाना चाहिए ताकि मासिक धर्म एक सामान्य चर्चा का विषय बन सके एवं महिलाएं विभिन्न वर्जनाओं के बेड़ियों से मुक्त होकर बराबरी एवं गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत कर सकें। मासिक धर्म महिला के स्वस्थ होने का सूचक है। मासिक धर्म के कारण ही महिलाओं में गर्भावस्था संभव होता है। यह महिला एवं पुरुष दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

सीएमएचओ ने बताया कि विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस महिला स्वास्थ्य एवं सशक्तिकरण में मासिक धर्म अथवा माहवारी' की महत्वपूर्ण भूमिका है। महिलाओं के शरीर में हार्मोन में होने वाले परिवर्तन के कारण गर्भाशय से रक्त एवं अंदरूनी हिस्से में होने वाले स्त्राव को मासिक धर्म कहते हैं। इसे आम बोल-चाल में माहवारी,रजोधर्म,मॅस्ट्रअल साईकल या एम.सी. या पीरियड भी कहा जाता है। मासिक धर्म चक्र दुनिया की आधी आबादी यानी महिलाओं से संबंधित विषय है जो सामान्यतः प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं को प्रभावित करता हैं। यह चक्र प्राकृतिक, शारीरिक विकास की प्रक्रिया है। ज्यादातर महिलाएं माहवारी की समस्याओं से परेशान रहती हैं परन्तु अज्ञानतावश या फिर शर्म या झिझक के कारण लगातार समस्या से जूझती रहती हैं जो समाज में मासिक धर्म स्वच्छता को निरंतर चुनौती देते हैं।

मासिक धर्म प्रबंधन के संबंध में वर्तमान जागरूकता का स्तर कम है क्योंकि इस विषय पर व्यापक चर्चा नहीं की गई है। स्वास्थ्य प्रभावों के अतिरिक्त युवावस्था एक प्राकृतिक परिघटना है जो किसी बालिका अथवा युवती के स्वछंद आवागमन पर प्रतिबंधन, स्कूल, शिक्षा,सांस्कृतिक रूप से पक्षपातपूर्ण सामाजीकरण का प्रारंभ बिन्दु बन जाती है।

सालाना उर्स प्रोग्राम का आयोजन 8 एवं 9 जून को किया गया मुकर्रर

- संवाददाता -
लखनपुर,28 मई 2024
(घटती-घटना)।

लखनपुर आपसी प्रेम भाईचारे तथा सौहार्द को बढ़ावा देने के नजरिए से हर साल की तरह इस साल भी ग्राम बंधा जूनाडीह स्थित हज़रत बाबा जामाशाह रह0 अलै0 के मजार शरीफ में सालाना उर्स प्रोग्राम का आयोजन 8 एवं 9 जून 2024 को मुकर्रर किया गया है। मुताबिक प्रोग्राम के एक रोज पहले जामा मस्जिद से 4 बजे मुस्लिम कौम के लोगों द्वारा 8 जून बस स्टैंड होते हुए मजार शरीफ में चादर पोशी किया जाएगा । तथा दूसरे रोज़ गीत संगीत से लबरेज मेहफिल-ऐ-कव्वाली की प्रस्तुति बाहर से आये मशहूर फनकार कव्वाला करिश्मा ताज एवं कव्वाल हबीब अजमेरी के द्वारा 9 जून को पेश की जाएगी। लखनपुर में कव्वाली (उर्स) कराये जाने की रिवायत काफी पुरानी रही है। कव्वाली प्रोग्राम के लिए कमेटी गठित किया गया है।

हमने भारत के पूर्व पीएम अटल जी के साथ किए गए समझौते का उल्लंघन किया,नवाज शरीफ ने स्वीकारी गलती

इस्लामाबाद,28 मई 2024। पाकिस्तान ने भारत के साथ हुए एक समझौते का उल्लंघन किया और हमसे गलती हुई थी। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नव-निर्वाचित अध्यक्ष नवाज शरीफ ने अपनी गलती को स्वीकार किया है।

हमसे गलती हुई थी- नवाज शरीफ

नवाज शरीफ ने कहा कि 28 मई 1998 को पाकिस्तान ने पांच परमाणु परीक्षण किए थे। इसके बाद भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी पाकिस्तान आए थे और एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। नवाज शरीफ ने आगे कहा 'हमने उस समझौते का उल्लंघन किया और यह हमारी गलती थी।' पीएमएल-एन का अध्यक्ष चुने के बाद एक बैठक में नवाज शरीफ ने यह बात कही।

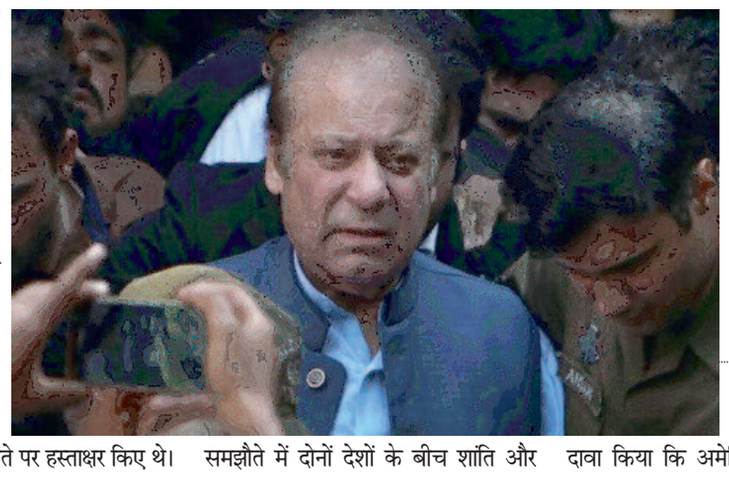

बता दें कि 21 फरवरी 1999 में शरीफ और वाजपेयी ने शिखर सम्मेलन के बाद लाहौर समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। समझौते में दोनों देशों के बीच शांति और स्थिरता बनाए रखने की बात कही गई थी। हालांकि,कुछ ही महीने बाद पाकिस्तान की घुसपैठ की वजह से कारगिल युद्ध हुआ।

नवाज शरीफ ने इमरान खान पर साधा निशाना

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री ने यह भी दावा किया कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने उन्हें परमाणु कार्यक्रम रोकने के लिए पांच बिलियन डॉलर की पेशकश की थी। उन्होंने कहा 'मैंने यह पेशकश ठुकरा दी थी लेकिन अगर मेरी कुर्सी पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान होते, तो वह क्लिंटन की पेशकश को जरूर स्वीकार कर लेते।'

नवाज शरीफ ने कहा कि उन्हें 2017 में पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश साकिब निसार द्वारा झूठे मामले में फंसाकर प्रधानमंत्री पद से हटाया गया। पीएमल-एन अध्यक्ष ने आगे कहा कि उनके खिलाफ सारे मामले झूठे थे, जबकि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान के पर लगे सारे आरोप सही हैं।

पोप फ्रांसिस ने समलैंगिक लोगों के लिए आपत्तिजनक शब्द का किया इस्तेमाल,मीडिया रिपोर्ट्स में दावा

रोम,28 मई 2024। पोप फ्रांसिस ने समलैंगिक लोगों के लिए एक आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पोप फ्रांसिस इटैलियन बिशप्स के साथ बंद दरवाजों के पीछे एक बैठक कर रहे थे। इसी बैठक में उन्होंने समलैंगिक लोगों के लिए इटैलियन भाषा का एक आपत्तिजनक शब्द इस्तेमाल किया।

इटली के मीडिया संस्थानों ने किया दावा

इटली के दो शीर्ष मीडिया संस्थानों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट में यह दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया कि पोप फ्रांसिस ने कहा कि सेमिनरीज या धार्मिक संस्थानों में समलैंगिक लोग भर गए हैं। इस बयान में पोप फ्रांसिस ने समलैंगिकों के लिए इटैलियन भाषा के शब्द का इस्तेमाल किया, जिसे इटैलियन भाषा में बेहद आपत्तिजनक माना जाता है। हालांकि इन आरोपों पर अभी तक वेटिकन की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में अज्ञात बिशप और अज्ञात सूत्रों का हवाला दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया है अर्जेंटीना मूल के पोप फ्रांसिस को शायद इटैलियन भाषा के शब्द का अर्थ नहीं पता होगा, तभी उन्होंने अनजाने में आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया।

समलैंगिकों के प्रति उदार रहा है पोप फ्रांसिस का रवैया

रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना 20 मई की है, जब पोप फ्रांसिस इटली के बिशप की कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए थे। 87 वर्षीय पोप फ्रांसिस पर अब समलैंगिकों के लिए आपत्तिजनक शब्द के इस्तेमाल का आरोप लगा है, लेकिन पोप फ्रांसिस को ही रोमन कैथोलिक चर्च में समलैंगिकों के प्रति उदार रवैया रखने के लिए जाना जाता है। साल 2013 में पोप फ्रांसिस ने अपने एक बयान में कहा था कि अगर कोई व्यक्ति समलैंगिक है और भगवान की शरण में आना जाता है तो ये भगवान की मर्जी है और मैं इसका फैसला करने वाला कौन होता हूं। बीते साल ही उन्होंने चर्च के पुजारियों को निर्देश दिया था कि वे समलैंगिक जोड़ों को भी आशीर्वाद दें। हालांकि उनके इस कदम की कुछ कट्टरपंथियों ने आलोचना भी की थी।

सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय शांति सैनिक को मिलेगा डैग हैमर स्कजॉल्ड पदक... कांगो में गंवाई थी जान

वाशिंगटन,28 मई 2024। अफ्रीकी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में पदस्थ भारतीय सैनिक के सर्वोच्च बलिदान को संयुक्त राष्ट्र सम्मानित करेगा। 30 मई को अंतर्राष्ट्रीय शांति रक्षक दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र नायक धनंजय कुमार को डैग हैमरस्कजॉल्ड पदक से सम्मानित करेगा। कुमार उन 60 से अधिक सुरक्षा बलों में शामिल हैं, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र के ध्वज तले विदेशी जमीन में सर्वोच्च बलिदान दिया है।

संयुक्त राष्ट्र ने जारी की विज्ञप्ति

संयुक्त राष्ट्र ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की। विज्ञप्ति में कहा गया कि 30 मई को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में औपचारिक समारोह के दौरान महासचिव एंटोनियो गुटेरेस 1948 के बाद से अपनी जान गंवाने वाले सभी संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों के सम्मान में शांति रक्षक स्मारक स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद वे एक कार्यक्रम की अध्यक्षता भी करेंगे। कार्यक्रम में 64 सुरक्षाकर्मियों को मरणोपरांत डैग हैमरस्कजॉल्ड पदक दिए जाएंगे। यह वही सुरक्षाकर्मी हैं, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र के झंडे के नीचे सेवा करते हुए अपनी जान गंवाई।

विज्ञप्ति में कहा गया कि 125 देशों के दो मिलियन से अधिक शांति सैनिकों ने दुनिया भर में 71 ऑपरेशनों में सेवा दी है। आज, लगभग 76,000 महिलाएं और पुरुष अफ्रीका, एशिया, यूरोप और मध्य पूर्व के 11 संघर्ष क्षेत्रों में सेवा कर रहे हैं।

भारतीय सैनिकों ने दिया सर्वोच्च बलिदान

भारत संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में वर्दीधारी कर्मियों का दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। भारतीय सैनिक वर्तमान में अबेई, मध्य अफ्रीकी गणराज्य,साइप्रस,कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, लेबनान, मध्य पूर्व, सोमालिया,दक्षिण सूडान और पश्चिमी सहारा में तैनात हैं। संयुक्त राष्ट्र के अभियानों में 6,000 से अधिक भारतीय सैन्य और पुलिस कर्मी मुस्तैद हैं। लगभग 180 भारतीय शांति सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। संयुक्त राष्ट्र के मिशन के तहत अन्य देशों की तुलना में भारतीय सैनिकों ने सबसे अधिक सर्वोच्च बलिदान दिया है।

मेजर सेन का भी होगा सम्मान

इसके अलावा, कांगो में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मिशन में सेवा दे चुकीं भारतीय महिला शांति रक्षक मेजर राधिका सेन को सैन्य पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने उनकी तारीफ करते हुए उन्हें एक सच्चा और आदर्श नेता बताया था। 30 मई को अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस के मौके पर मेजर राधिका सेन को 2023 यूनाइटेड नेशंस मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड' दिया जाएगा। यूएन के महासचिव गुटेरेस उन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित करेंगे।

बता दें कि मेजर सेन भारतीय त्वरित तैनाती बटालियन की कमांडर के तौर पर मार्च 2023 से अप्रैल 2024 तक कांगो गणराज्य के पूर्व में तैनात थीं। वह मूल रूप से हिमाचल प्रदेश की रहने वाली हैं। उनका जन्म 1993 में हुआ था और वह आठ साल पहले भारतीय सेना में भर्ती हुई थीं।

रफाह पर इस्राइली हमलों में 45 की मौत,शरणार्थी शिविरों के मलबे में कई और मौतों की आशंका

दीर अल-बलाह,28 मई 2024। अमेरिका समेत अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की चेतावनी के बावजूद इस्राइली सेना ने गाजा के दक्षिणी शहर रफाह पर हवाई हमले किए। फलस्तीनी स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि रफाह में विस्थापित लोगों के लिए बने तंबुओं पर इस्राइल के हवाई हमलों में 45 लोगों की मौत हो गई और कई लोग अब भी मलबे में फंसे हैं। मृतकों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, जबकि कई लोग हमले में घायल हुए हैं।

सोमवार तड़के हुए ये हवाई हमले उत्तरी गाजा से विस्थापित लोगों के शिविरों पर हुए। रविवार शाम से शुरू हुए इन हमलों से पहले वैश्विक अदालत (आईसीसी) ने इस्राइल को रफाह में सैन्य कार्रवाई रोकने के आदेश दिए थे। इस माह की शुरुआत में इस्राइली हमले से पहले तक रफाह में गाजा की आधी से ज्यादा आबादी ने शरण ली हुई थी। इलाके में हजारों लोग अब भी रह रहे हैं जबकि बहुत से लोग यहां से भाग निकले हैं। सबसे बड़े हवाई हमले की फुटेज से इलाके में भारी तबाही का मंजर दिखाई दे रहा है। इस्राइली सेना ने हमले की पुष्टि की और कहा कि उसने हमास के एक ठिकाने को निशाना बनाया और इसमें हमास के दो आतंकी भी मारे गए। सेना ने बताया कि वह नागरिकों को हुई क्षति की जांच करेगी। इस्राइली रक्षा मंत्री योव गैलेंट को यहां तेज होते अभियान की जानकारी दी गई।

आतंक अब खत्म होना चाहिए,राफा में इस्राइल के हमले में 45 लोगों की मौत पर बिफरे यूएन प्रमुख

वॉशिंगटन,28 मई 2024। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने इस्राइली सेना के राफा शहर में किए हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि हमले में कई बेगुनाह नागरिक मारे गए, जो सिर्फ युद्ध से बचने के लिए शरण लिए हुए थे। उन्होंने कहा कि अब ये आतंक खत्म होना चाहिए। हाल ही में इस्राइल के राफा पर किए गए हमले में 45 लोगों की मौत हुई है और 200 अन्य घायल हुए हैं।

यूएन चीफ ने इस्राइली हमले की कड़ी निंदा की

सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने लिखा %मैं इस्राइल की कार्रवाई की कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें कई बेगुनाह आम नागरिक मारे गए, जो सिर्फ युद्ध के हालात में शरण लिए हुए थे। गाजा में अब कोई जगह सुरक्षित नहीं है और अब ये आतंक बंद होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के प्रमुख वोल्कर टर्क ने भी इस्राइली हमले की निंदा की। उन्होंने एक बयान में कहा कि शरणार्थी कैंप से आ रहीं तस्वीरें भयावह हैं और इस्राइली के लड़ाई के तरीकों में कोई बदलाव नहीं आया है। इस्राइल हमास युद्ध में अब तक बड़ी संख्या में आम नागरिकों की मौत हुई है।

इस्राइल का दावा-हमास के दो शीर्ष कमांडर मारे

वहीं इस्राइली सेना ने बयान जारी कर कहा है कि उनके हमले में हमास के दो शीर्ष अधिकारी मारे गए हैं। इस्राइली सेना ने दोनों की पहचान भी उजागर की है। इस्राइल ने बताया है कि उसके हमले में मारे गए हमास के शीर्ष नेताओं की पहचान यासीन राबिया और खालेद नज्जर के रूप में हुई है। यासीन राबिया जुडेया और सामारी में हमास की आतंकी गतिविधियों की जिम्मेदारी संभालता था।

छग लोक नायक जयप्रकाश नारायण सम्मान निधि के तहत 13 लोगों को राशि स्वीकृत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 मई 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार लोक नायक जयप्रकाश नारायण(मीसा/डीआईआर राजनैतिक या सामाजिक कारणों से निरुद्ध व्यक्ति) सम्मान निधि के तहत 1 करोड़ 39 लाख 50 हजार रूपये का आबंटन वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक एरियर्स एवं चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के भुगतान हेतु सरगुजा जिले को आबंटन सौंपा गया है।

जिला मजिस्ट्रेट सरगुजा द्वारा उक्त जानकारी देते हुए बताया गया है कि छत्तीसगढ़ लोकनायक जयप्रकाश नारायण (मीसा/डीआईआर राजनैतिक या सामाजिक कारणों से निरुद्ध व्यक्ति) सम्मान निधि नियम 2008 के तहत जिले में 13 व्यक्तियों को आबंटन के विरूद्ध भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसमें सदर रोड अम्बिकापुर निवासी देवेश्वरी सिंह,डी.सी. रोड अम्बिकापुर निवासी देवेंन्द्र कौर, देवीगंज रोड अम्बिकापुर निवासी उमा सिंह, ग्राम सेदम के परमात्मानंद सिंह,ब्रम्ह रोड अम्बिकापुर निवासी किरण मिश्र, लोकनायक वार्ड क्रमांक- 26 पुलिस लाईन के असित भट्टाचार्य, महामाया रोड उमा टॉकिज निवासी माधवी सिंह,समता निवास नमनाकला निवासी श्रीमती तारा देवी, फुन्दुरडिहारी अम्बिकापुर के त्रिवेणी,चोपड़ा पारा रिंग रोड अम्बिकापुर की मधु चौधरी, चोपड़ापारा अम्बिकापुर की श्रीमती विमला चोपड़ा,शिवमंदिर के पास सत्तीपारा अम्बिकापुर निवासी मंजू सिंह,नावापारा आजाद वार्ड अम्बिकापुर के रोशनलाल अग्रवाल को प्रतिमाह राशि की स्वीकृति दी गई है।

प्राइवेट अस्पताल में नौकरी लगवाने के नाम पर 4 लाख की ठगी,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 मई 2024 (घटती-घटना)।

प्राइवेट अस्पताल में नर्स की नौकरी लगवाने के नाम पर 4 लाख रुपए ठगी करने के मामले में बतौली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार अनिमा सिंह बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम सिलगा की रहने वाली है। इसकी जान पहचान झारखंड के पलामू निवासी मंटू कुमार रवि से थी। अंबिकापुर में एक निजी अस्पताल में नर्स की नौकरी खाली होने की जानकारी मंटू ने अनिमा को दी और उसे वहां नौकरी लगवा देने का झांसा दिया। युवक ने नौकरी के लिए 4 लाख रुप सिक्योरिटी मनी जमा करने की बात कही थी। युवती उसके झांसे में आकर अलग-अलग किस्तों में कुल 4 लाख रुपए दी थी। पैसा लेने के बाद भी नौकरी लगवाने के लिए वह टाल मटोल करता रहा और न ही वह पैसा वापस कर रहा था। पीड़िता ने मामेल की रिपोर्ट 13 मई को बतौली थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पलामू झारखंड रवाना हुई थी। पुलिस ने आरोपी मंटू कुमार रवि उम्र 24 वर्ष निवासी बासबार थाना नावा जयपुर जिला पलामू झारखण्ड को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 420 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी बतौली उप निरीक्षक सीपी तिवारी,आरक्षक अशोक यादव,अहसान फिरदौशी,राजेश खलखो, अशोक भगत, भगलू राम शामिल रहे।

सड़क हादसे में दो भाईयों सहित तीन की मौत,परिवार में पसरा मातम

- संवाददाता -

लखनपुर,28 मई 2024 (घटती-घटना)। लखनपुर थाना क्षेत्र के अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 स्थित रजपुरीकला में सड़क में खड़े ब्रेकडाउन ट्रक के पीछे बाइक सवार जा टकराए जिसमें दो भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई तो वहीं एक ग्रामीण की उपचार के दौरान लखनपुर अस्पताल में मौत हुई घटना के बाद से परिवार मातम पसर गया। मिली जानकारी के मुताबिक पवन पिता सुदन दास 40 वर्ष लाल दास पिता मोती दास 45 वर्ष निवासी बेलदगी घुरसाय पिता राजभगत कवर ग्राम कोसंगा निवासी बाइक में सवार होकर अंबिकापुर से अपने गांव आने के दौरान रजपुरीकला सड़क पर खड़े ब्रेकडाउन ट्रक क्रमांक सीजी 07 ष्टह्व 6659 के पीछे जा टकराये जिससे पवन और लाल दास की दोनो भाई की मौके पर ही मौत हो गई तो वहीं घुरसाय पीता रामभगत को उपचार हेतु लखनपुर अस्पताल लाया गया जहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। सूचना मिलते ही मृतको के परिजन लखनपुर

बच्चा चोर समझ बुजुर्ग किसान की पिटाई,6 आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 मई 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ में सोमवार को ग्रामीणों ने एक बुजुर्ग को बच्चा चोर समझ जमकर पिटाई कर दी। 60 वर्षीय बुजुर्ग अपने रिश्तेदार के घर से जंगल के रास्ते होते हुए वापस घर लौट रहा था। मामले में शंकरगढ़ पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी अनुसार, शंकरगढ़ कृष्णनगर निवासी किसान लेलवा मिंज 60 वर्ष 25 मई को सुबह पैदल अपने समधी के घर ग्राम करमी गया था। वहां से वह वापस पैदल जंगल के रास्ते अपने गांव लौट रहा था। बुजुर्ग लेलवा मिंज अपराह्न करीब 3 बजे ग्राम जम्हाटी जंगल में पहुंचा ही था कि कुछ लोग उसे

लिए। लोगों ने बुजुर्ग से गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। बुजुर्ग के बार-बार विनती करने पर भी आरोपियों ने उसे नहीं छोड़ा और पकडक़र अपने साथ गांव ले आये। जहां अन्य ग्रामीणों ने भी लाठी डंडे, लात-मुक्के से मारपीट कर उसे घायल कर दिया। बुजुर्ग लेलवा मिंज को मारपीट में सिर,चेहरे,पीठ और सीने में चोटें आई हैं। मौके पर उपस्थित कुछ लोगों के हस्तक्षेप के बाद बुजुर्ग को दुबारा क्षेत्र में न दिखने की धमकी देकर छोड़ा गया। इसके बाद मारपीट में घायल बुजुर्ग लेलवा मिंज किसी तरह अपने घर पहुंच परिजनों की घटनाक्रम की जानकारी दी। परिजनों के साथ शंकरगढ़ थाना पहुंच बुजुर्ग ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने घटना में शामिल नान, मंशु सहित 6 लोगों को खिलाफ

अपने विरुद्ध हुई शिकायत की जांच करवाने से घबरा रहे और दूसरे के विरुद्ध शिकायत कर जांच की कर रहे मांग...गजब डीपीएम साहब!

● आखिर क्यों विरुद्ध में छपी खबर तथ्यहीन होती है और पक्ष में छपी खबर तथ्य के साथ होती?

● डॉ. प्रिंस के विरुद्ध प्रकाशित खबर तथ्यहीन है तो यह बात उनको कैसे पता...क्या उनके विभाग के लोग जांच करके उन्हें प्रमाण-पत्र थमा दिये की खबर तथ्यहीन है?

● स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम डॉ. प्रिंस के विरुद्ध उनकी कमियों को लेकर दर्जनों शिकायत पर किसी भी शिकायत में जांच नहीं...आखिर प्रशासन इनके सामने नतमस्तक क्यों?

● क्या अन्य चिकित्सालयों की भी जांच कराएगे डॉ. प्रिंस या फिर जहां हुआ विवाद उसी की वह करेंगे शिकायत?

● संविदा पर पदस्थ कर्मचारी को क्या है इस प्रकार शिकायत करने की छूट...क्योंकि उसी विभाग में पदस्थ है डॉ प्रिंस जायसवाल?

● विभिन्न सोशल मिडिया ग्रूप में शिकायत डालकर खुद को पाक-साफ बतलाने की कोशिश...

● जिस थाली में खाया उसी में किया छेद...पहले करता था डॉ. शर्मा अस्पताल में सलाहकार का काम,अब विवाद हुआ तो करने लगा शिकायत...

● क्या डॉ. प्रिंस जायसवाल डीपीएम पद से इस्तीफा देकर समाजसेवा का काम करेंगे और गलत चीजों को उजागर करने की जिम्मेदारी अपने कंधे उठाएंगे?

● बड़े अखबारों और मिडिया संस्थानों को खरीदने का दंभ भरने वाले डॉ. प्रिंस के खिलाफ क्या सच प्रकाशित करेंगे ऐसे पत्रकार और अखबार?

● मिडिया समूहों में खुद भेज रहे पत्रकार के विरुद्ध शिकायत,खुद की ही जबकि डिग्री पर उनके है सवाल?

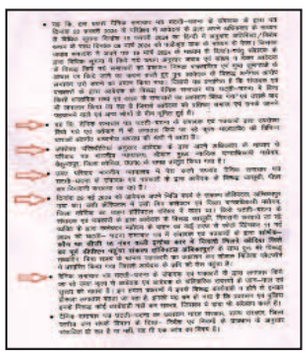

● फर्जी डिग्री के मामले में हुई है शिकायत क्या होगी जांच?

घटती घटना

डॉ प्रिंस जायसवाल की सुरजपुर एसपी से हुई शिकायत,शिकायतकर्ता ने कहा डॉक्टर प्रिंस जायसवाल की डिग्री फर्जी है एफआईआर दर्ज करें...

डॉक्टर प्रिंस जायसवाल है... सुरजपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी डीपीएम, लगातार सुर्खियों में रहना है इनकी आदत में है शुमार

प्रतिदिन शासकीय कार्य में लगे वाहन से बैकुण्ठपुर से आना-जाना कर रहे हैं सुरजपुर डीपीएम...इसकी अनुमति किसने दी?

उनका अपने कार्यों में ध्यान कम अपने नर्सिंग कॉलेज में ध्यान ज्यादा...

सुरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम जिले के स्वास्थ्य सुविधाओं में बेहतरी के लिए काम करने नहीं गए हुए हैं। वह अपने नर्सिंग कॉलेज की बेहतरी के लिए ही काम करते हैं यह वह लगातार साबित कर रहे हैं। उनका नर्सिंग कॉलेज बैकुंठपुर में है और जिसको लेकर भी कई शिकायत है लेकिन उसकी जांच न हो और उनका व्यवसाय चलता रहे यह उनका मुख्य काम है। नर्सिंग कॉलेज को ही वह ज्यादा समय प्रदान भी करते हैं।

खुद का नर्सिंग कॉलेज चला रहे नियम विरुद्ध तरीके से

उनका खुद का नर्सिंग कॉलेज नियम विरुद्ध है। उनके नर्सिंग कॉलेज की जांच की जाए तो काफी अनियमितता पाई जायेगी। वैसे बता दें की डीपीएम सूरजपुर का नर्सिंग कॉलेज कभी जांच के दायरे में नहीं आएगा और वहां नियम विरुद्ध उसका संचालन होने उपरांत भी कार्यवाही नहीं होगी क्योंकि उनका खुद दावा है की जिले के बड़े अधिकारी उनकी गिरफ्त में है।

-रवि सिंह-
कोरिया/सुरजपुर 28 मई 2024 (घटती-घटना)।

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को रोकने के लिए बहुत आसान सा तरीका अपनाया जाता है या तो झूठे मामले या फिर शिकायत और लोकतंत्र के चौथ स्तंभ की जिम्मेदारी निभाने वाला शिकायत करने वाले और उनकी कमियां दिखाने से पीछे हट जाता है,यह प्रयास आज से नहीं लंबे समय से चला रहा है पर कुछ ऐसे भी लोग हैं जो लोकतंत्र और चौथे स्तंभ को बचाने का जिम्मा लिए हैं जो ऐसे लोगों से भी टकराने को तैयार है, खबर प्रकाशन पर अधिकांश बार यह आरोप लगता है की खबर तथ्यहीन है,कई बार ऐसी खबरें तथ्यहीन छप भी जाते हैं,उसकी वजह यह है की पत्रकार के पास जांच की जिम्मेदारी नहीं होती पत्रकार के पास दस्तावेज जुटाने के साधन नहीं होते,दस्तावेज जुटाने का साधन सिर्फ एक होता है वह सूचना का अधिकार जिसे देने में भी शासकीय विभाग के पसीने छूट जाते हैं फिर पत्रकार अपनी जासूसी व अपने संसाधनों के तहत जानकारी जुटाता है और खबर को तथ्यों के साथ प्रकाशित करने का प्रयास करता है और उसका उद्देश्य यह होता है की खबरों पर संज्ञान लिए जाए और कमियों को दूर किया जाए पर जिनकी कमियां उजागर होती हैं और उनकी खबर प्रकाशित होती है वह खबर उनके विरोध में होता है जिनके लिए वह खबर तथ्यहीन होते हैं,पर खबर तथ्यहीन है इसका प्रमाण कौन देगा? क्या जांच करने वाले जिम्मेदार उन तथ्यों की जांच कर जो खबर में छपी थी और क्या उसमें तथ्यहीन पाया गया? यह प्रमाण खबर जिसके विरुद्ध छपा उसे दे रहा है या फिर जिनके विरुद्ध खबर छपी वह खुद ही जांच करके खबर को तथ्यहीन साबित करने का प्रयास कर रहा है? जब खबर तथ्यहीन हो सकती है तो फिर शिकायतकर्ता की शिकायत भी तथ्यहीन ही होगी तब तो शिकायतकर्ता व खबर प्रकाशन करने वाले को जेल होना तय है पर जांच तो होनी ही चाहिए!

डॉ. प्रिंस का खुद ही विभागीय शिकायत काफी है आखिर अपनी ही शिकायतों पर जांच क्यों नहीं करवा रहे हैं और क्यों नहीं जांच कर कर बता दे रहे हैं कि पत्रकार तथ्यहीन खबर प्रकाशित कर रहा है...

डॉक्टर प्रिंस जायसवाल की विभागीय शिकायत काफी है। कई शिकायतों के बावजूद वह केवल जुगाड से संविदा में एनएचएम विभाग देख रहे हैं वह भी जिला सूरजपुर का। अब उन्हे शिकायतों के बाद ही कोरिया जिले से हटाया गया था यह भी सर्वविदित है। वैसे उनकी शिकायतों पर जब खबर का प्रकाशन होता है वह खबर को तहथ्यहीन बताते हैं। अब जब उनके अनुसार उनकी शिकायत और शिकायत के आधार पर प्रकाशित खबर तथ्यहीन है और यह वह ही तय कर रहे हैं तो वह क्यों नहीं अपनी शिकायतों की जांच करा लेते हैं और शिकायत तथ्यहीन होने का प्रमाणपत्र जारी करवा लेते हैं। बता दें की वह जब यह खुद दावा करते हैं की सरकार किसी की हो उनका भ्रष्टाचार शिष्टाचार है और उच्च अधिकारियों का भी वह मुंह बंद करना जानते हैं तो वह क्यों नहीं शिकायतों का समाधान अपने पक्ष में नहीं करा लेते हैं।

घटती घटना | अम्बिकापुर ,शनिवार 11 मई 2024 | 5

कौन था सीजी 16 नंबर वाली इनोवा कार में जिससे मिलने कोरिया जिले का पूर्व डीपीएम पहुंचा संकल्प हॉस्पिटल अंबिकापुर?

इनोवा वाहन में लगा था सायरन व नेम प्लेट की प्लेट थी ढकी हुई...वाहन में पीछे लिखा था छत्तीसगढ़ शासन

आखिर क्यों विरुद्ध में छपी खबर तथ्यहीन होती है और पक्ष में छपी खबर तथ्य के साथ होती?

पांच जिले वाले सरगुजा संभाग में एक स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बने हुए हैं उनके खिलाफ शिकायतों की लंबी फेहरिस्त है जांच की मांग हो रही है पर जांच हो नहीं रही और जो जांच हो रही है उसमें क्या कार्रवाई हो रही है वह दोषमुक्त पाए जा रहे हैं या दोषी हैं? यह सब चीज भी दबाई-छिपाई जा रही है यह सारी चीज दस्तावेजों में है पर दस्तावेज जांच करने वाले के पास है,खबर भी जो तथ्यों के साथ प्रकाशित हुई है उसमें भी मामले की जांच की मांग की गई है,पर जिसके विरुद्ध लगातार खबर छप रही है उसकी कमियों की खबर छप रही है वह इस समय आग बबूला हो चुका है, इस समय वह अपना मूल काम छोड़कर समाजसेवी की भूमिका में आ गया है शिकायतकर्ता बना बैठा है,तनख्वाह सरकार की ले रहा है पर काम व शिकायतकर्ता का कर रहा है,इस समय सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम डॉक्टर प्रिंस जायसवाल पत्रकारों को जेल भेजने की ठान चुके हैं,अब लगता है कि पत्रकारों का खबर लिखना और जेल जाना आम हो जाएगा, क्योंकि तथ्यों के साथ कमियों को बताना लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का काम नहीं रह गया,अब तो अधिकारियों के गलत काम करने वालों के साथ हाथ मिलाकर चलना ही लोकतंत्र का चौथा स्तंभ का काम हो गया है, यदि उनके साथ हाथ मिलाकर चलेंगे तो लोकतंत्र का चौथ स्तंभ सही है यदि उन्हें उनकी कमियां बताएंगे तो लोकतंत्र का चौथ स्तंभ तथ्यहीन हो जाता है।

अपने विरुद्ध हुई शिकायत की जांच करवाने से घबरा रहे और दूसरे के विरुद्ध शिकायत कर जांच की कर रहे मांग...

कुछ ऐसा ही इस समय सरगुजा संभाग में देखने को मिल रहा है स्वास्थ्य विभाग के एक प्रभारी डीपीएम है डॉक्टर प्रिंस जायसवाल जिनकी कमियों की शिकायत सभी अधिकारियों के टेबल पर पड़ी हुई है जांच की जिम्मेदारी भी उन्हें अधिकारियों के ऊपर है पर जांच करेगा कौन यह सवाल है? क्योंकि डीपीएम प्रभावशाली है पर पत्रकार को प्रभावशील बता रहे हैं,प्रभारी डीपीएम को अब तो डॉक्टर कहना भी असमंजस की स्थिति उत्पन्न होता है क्योंकि अब उनके डॉक्टर लिखने पर भी शिकायत हो चुकी है और उनकी डिग्री को फर्जी बताकर जांच की मांग की जा रही है,अब ऐसे में क्या उनके लिए डॉक्टर लिखना चाहिए या फिर जांच रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए? प्रभारी डीपीएम अपनी नजर में काफी पाक-साफ है सिर्फ अपने विभाग में ही वह कमियों के कीचड़ में धसे हुए हैं,दैनिक घटती-घटना के पत्रकार पर प्रभारी डीपीएम ने आरोप लगाया है कि उनके विरुद्ध छप रही खबर तथ्यहीन है पर उन्होंने खबरों की जांच अपने किसी प्रशासनिक अधिकारी से कराकर यह निर्णय ले लिया की खबर तथ्यहीन है? जबकि पाठकों की माने तो खबर तथ्यों पर आधारित है और जांच का विषय है जो सभी समाचारों में दिया गया है, खबर दैनिक घटती-घटना के पत्रकार के द्वारा लगाई जा रही है पर शिकायत संपादक की हो रही है ऐसे में सवाल यह भी उठना है की प्रभारी डीपीएम मानसिक बीमारी से ग्रसित है,और क्या किसी अंबिकापुर निवासी राजस्व अधिकारी के मार्गदर्शन पर चल रहे हैं। वैसे संपादक के विरुद्ध अब सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम शिकायत लेकर सामने आएं हैं जिसे वह मिडिया समूहों में खुद भेज रहे हैं क्योंकि उनका यह भी दावा है की बड़े समाचार पत्रों सहित बड़े पत्रकारों को वह अपने वश में कर चुके हैं और वह उनके खिलाफ जाने की हिम्मत नहीं कर सकते और जो हिम्मत करेगा वह उनसे बचेगा नहीं क्योंकि प्रशासनिक उनकी पकड़ ऊंची है भ्रष्टाचार के कारण उनके पास इतने धन व संसाधन है की वह ऐसे लोगों को कोई भी नुकसान आर्थिक शारीरिक पहुंचा सकते हैं।

क्या जासूसी करने का काम पत्रकार का नहीं है?

दैनिक घटती-घटना में 9 मई 2024 को खबर प्रकाशित होती है जिसमें सवाल किया जाता है कि सीजी 16 नंबर वाली इनोवा कार से कौन आया था जिससे मिलने कोरिया के पूर्व डीपीएम संकल्प हॉस्पिटल अंबिकापुर पहुंचे थे? शायद यह सवाल करना भी प्रभारी डीपीएम को अच्छा नहीं लगा उन्होंने कहा कि पत्रकार उनकी जासूसी कर रहे हैं पर सवाल यह उठता है कि आखिर पत्रकार उनकी जासूसी(पूछ-परख) क्यों ना करें? जब उनका कार्यस्थल सूरजपुर है और वहां पर वह न होकर अंबिकापुर किसी निजी अस्पताल में देखे जा रहे हैं तो सवाल तो उठता है? जबकि इस बात की जानकारी उनके खुद के अधिकारी मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी को भी नहीं थी कि वह संकल्प अस्पताल गए हुए हैं आखिरकार कार्यदिवस के दिन उनका संकल्प अस्पताल में निजी काम से कार्यालय समय पर जाना आखिर इसकी जानकारी उन्होंने किसको दी? क्या यह उनके कार्य संहिता के विपरीत नहीं था? उनके अधिकारी बता रहे थे कि वह रायपुर गए हुए हैं पर वही वह शिकायत में बता रहे हैं की संकल्प अस्पताल में थे आखिर संकल्प अस्पताल का सीसीटीवी फुटेज इनके लिए क्यों नहीं प्रशासनिक अधिकारी ने जांच कराई? खुद की कमियों के प्रकाशन से इतना तिलमिला चुके हैं प्रभारी डीपीएम की न जाने अपने आप को क्या कर ले पर अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास बिल्कुल नहीं कर रहे, तत्काल में वह सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम है पर अपने कार्यालय समय पर उनका पहुंचना मुश्किल सा लगने लगा है यह कार्यालीन समय में कोरिया के थाना,एसपी,कलेक्टर के कार्यालय घूमते दिख जाएंगे पर वही अपने कार्यस्थल पर समय पर नहीं पहुंचेंगे क्या यह सब कमियां खबरों में प्रकाशित करना गुनाह है और यदि गुनाह है तो फिर सजा तो मिलनी ही चाहिए।

जब न्यायालय में परिवाद दायर कर चुके हैं तो फिर क्यों पुलिस से शिकायत कर रहे हैं ?

डीपीएम सूरजपुर प्रिंस जायसवाल काफी बौखला गए हैं। बता दें की वह न्यायालय में पत्रकार के विरुद्ध परिवाद दायर कर चुके हैं लेकिन अब वह पुनः शिकायत का भय दिखा रहे हैं जबकि पत्रकार और संपादक से उन्हे लगातार मुंह की खानी पड़ रही है। वैसे उन्हे न्यायालय पर भी भरोसा नहीं है या उन्हे भय है की न्यायालय जाने से उन्हीं का पोल खुलेगा इसलिए वह मौन हैं यह कहना गलत नहीं होगा।

दैनिक घटती-घटना न्यायालय के लिए भी तैयार अब माननीय न्यायालय से ही करेंगे प्रभारी डीपीएम की जांच की मांग?

दैनिक घटती-घटना अब न्यायालय जाने और वहीं से न्याय की मांग के लिए तैयार है। अब वह वहीं से डीपीएम के सारे मामले की जांच करवाने के लिए मांग करेंगे। डीपीएम के विरुद्ध उपलब्ध और प्रकाशित की गई सभी खबरों को सबूतों को लेकर अब माननीय न्यायालय में ही आमना-सामना होगा और वहीं से भ्रष्टाचार के इस दंभ में डूबे व्यक्ति के कर्म की जांच होगी।

माननीय न्यायालय में ही अब तय होगा खबर तथ्य पर आधारित है या फिर तथ्यहीन है?

प्रभारी डीपीएम सुरजपुर वहीं प्रभारी डीपीएम कोरिया रह चुके प्रिंस जायसवाल को लेकर अब जो कुछ तय होना है वह माननीय न्यायालय में ही तय होगा। अब न्यायालय में ही यह भी तय होगा की वह किस स्तर तक भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं। वैसे प्रिंस जायसवाल कांग्रेस शासनकाल से लेकर वर्तमान भाजपा शासनकाल तक किस तरह डीपीएम बनते चले आ रहे हैं उनके द्वारा किस तरह नियम विरुद्ध तरीके से नर्सिंग कॉलेज का संचालन किया जा रहा है सभी मामले के तथ्य वहीं प्रस्तुत किए जाएंगे। उनकी योग्यता और डिग्री और नियुक्ति भी जांच का विषय क्यों न बने यह भी न्यायालय के समक्ष मांग की जाएगी।

सूरजपुर के प्रभारी डीपीएम ऐसा कौन सा गलत काम कर रहे हैं जिस वजह से वह पत्रकार की जासूसी (पूछ-परख) से डर रहे हैं?

वैसे सूरजपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी डीपीएम कौन सा गलत काम कर रहे हैं जिसकी वजह से वह पत्रकार की जासूसी से डर रहे हैं। क्या वह सच में जब अंबिकापुर में संकल्प हॉस्पिटल में नजर आए तब कोरिया जिले के किसी अधिकारी के साथ वह कोई गुप्त बैठक वहां कर रहे थे। वैसे निजी अस्पतालों और अधिकारियों के बीच के रिश्ते किसलिए प्रगाढ़ होते हैं यह अब सभी को मालूम है और निजी अस्पताल अब कहीं न कहीं अर्थ मामलों में व्यवसाय मामले में अधिकारियों के साथ हिस्सेदारी भी कायम पर रहे हैं जो एक सर्वविदित सत्य साबित होता जा रहा है और क्या ऐसी ही कोई बैठक अंबिकापुर में थी जब डीपीएम सुरजपुर को झूठ बोलकर वहां जाना पड़ा यह बड़ा सवाल है।

सोशल मीडिया पर शिकायत वायरल कर आखिर क्या साबित करना चाह रहे डॉक्टर प्रिंस?

कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग को दीमक की तरह चट कर चुके वर्तमान में सूरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम अब खुद मिडिया समूहों में खासकर सोशल मिडिया समूहों में एक शिकायतकर्ता और एक समाजसेवी की भूमिका में समाने आ रहे हैं और शिकायत डालकर खासकर खुद के विरुद्ध खबर प्रकाशित करने वाले पत्रकार के विरुद्ध संपादक के विरुद्ध वह क्या कार्यवाही चाहते हैं क्या साबित भी करना चाहते हैं यह बड़ा सवाल है। शासकीय विभागों में पदस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों के हिसाब से सूरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम इकलौते ऐसे अधिकारी हैं जो खुलेआम भ्रष्टाचार भी करते हैं और समाचार प्रकाशन पर पत्रकार और संपादक को धमकी भी शिकायत की देते हैं। कुल मिलाकर वह क्या साबित करना चाहते हैं यह बड़ा सवाल है।

मालवाहक पर सवारी ढोने वाले चालक पर अपराध दर्ज,वाहन जप्त

धौराटिकरा के पास संतुलन खोकर पलटा था वाहन,03 अन्य प्रकरणों में भी हुई चालानी कार्यवाही,हफ्ते भर में कुल 08 वाहनों पर ठोका गया भारी जुर्माना

-संवाददाता-
कोरिया,28 मई 2024
(घटती-घटना)।

सड़क दुर्घटनाओ की मृत्यु में कमी लाने के उद्देश्य से कोरिया पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सतत कार्यवाही की जा रही है। एसपी कोरिया ने कवर्धा की घटना के बाद आमजनों से अपील भी की थी वाहन को यातायात नियम के अनुसार चलाये एवं अपना अमूल्य मानव जीवन जोखिम में ना डालें। अपील और चालानी कार्यवाही में तेजी लाने के बाद भी कुछ लोगों द्वारा चोरी छुपे यातायात नियमों को नजरअंदाज कर मनमाने ढंग से वाहन चलाना संज्ञान में आ रहा था। लापरवाही का परिणाम है कि गत दिवस

सोंस इलाके से मजदूरों को लेकर जा रही तेज रफ्तार पिकअप वाहन चेर गांव के पास पलट गई। हादसा धौराटिकरा मोड़ पर हुआ, पिकअप वाहन चला रहे ड्राइवर ने गाड़ी के स्टेयरिंग से अपना संतुलन खो दिया और गाड़ी सड़क किनारे जाकर पलट गई। दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वाहन में लगभग 20 मजदूर काम पर जाने के लिए सवार थे। जिनमें से एक दो को हल्की खरोंचें आई हैं, हालांकि गंभीर दुर्घटना हो सकती थी। उक्त पिकप वाहन में सवार पीड़िता संतोषी पति दिलीप कुमार उम्र 23 साल निवासी सोनपुर मनसुख थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया द्वारा उक्त घटना को लेकर थाना बैकुंठपुर में दिनांक 27 मई 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराया गया था। उक्त रिपोर्ट की जानकारी पुलिस अधीक्षक कोरिया सूरज सिंह परिहार को दी गई, एसपी कोरिया द्वारा तत्काल वाहन चालक को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। जिस पर थाना बैकुंठपुर की टीम ने उक्त पिकप वाहन के चालक आरोपी प्रेम कुमार पनिका पिता स्व. सुंदर साय पनिका उम्र 32 साल निवासी ग्राम सोस थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया के विरुद्ध अपराध क्रमांक 179/2024 धारा 279, 337 भा.द.वि., 39/192, 66/92, 146/196,144/177,190(2), 104/177,109/77,183,(1)(ए क) 184 डट । बजे के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है एवं आरोपी की पिकप वाहन जप्त कर दिनांक 28 मई 2024 को आरोपी चालक को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

मालवाहक वाहन में ढो रहे सवारी पर कोरिया पुलिस की सख्त चालानी कार्यवाही जारी

इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक कोरिया सूरज सिंह परिहार के निर्देशानुसार ट्रैफिक पुलिस एवं थाना की टीम द्वारा यातायात के नियमों का पालन कराने शहर के विभिन्न मार्गों पर चेक पॉइंट लगाकर निरंतर कार्यवाही कर रही है। सामान्य ट्रैफिक कार्यवाही के अतिरिक्त मालवाहकों पर सवारी ढोने वालों पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया है। इसी कड़ी में सोमवार को ट्रैफिक पुलिस की टीम द्वारा शहर के अलग - अलग स्थानो में चेक पॉइंट लगाकर मालवाहक वाहनो में सवारी ले जाने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही किया गया है। चेक पॉइंट में यातायात की टीम द्वारा 02 प्रकरणों पर चालानी कार्यवाही किया गया है, वहीं थाना चरचा की टीम ने चेक पॉइंट में 01 प्रकरण में चालनी कार्यवाही की गई है। उपरोक्त वाहनो के खिलाफ कार्यवाही कर उचित समन शुल्क वसूल किया गया है। इसके साथ ही उनके लायसेंस एवं वाहन सम्बन्धी अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजो की जांच भी की गई है। इससे पूर्व भी बीते गुरुवार को कोरिया पुलिस द्वारा बैकुंठपुर के विभिन्न स्थानों पर 04 प्रकरणो में चालानी कार्यवाही कर भारी जुर्माना ठोका गया है। एसपी कोरिया ने पुनः सख्त हिदायत दी है कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

उद्योगों की विशेष सुरक्षा जांच करने उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने दिया निर्देश

-संवाददाता-
कोरबा,28 मई 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश के वाणिज्य,उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने विस्फोटक और ज्वलनशील सामग्रियों का उत्पादन या प्रयोग करने वाले उद्योगों का विशेष सुरक्षा जांच करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री श्री देवांगन द्वारा श्रम विभाग सचिव को उद्योगों में सुरक्षा मापदंड सुनिश्चित कर जानलेवा हादसों में कमी लाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं।मंत्री श्री देवांगन ने अपने पत्र में बेमेतरा हादसे पर दुःख प्रकट करते हुए लिखा है की भीषण हादसे में कई श्रमिकों ने अपनी जान गंवाई जो की अत्यंत ही दुखद है। चुंकि राज्य में श्रम विभाग का कार्य राज्य के उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों व कर्मचारियों के हित प्रहरी के रूप में कार्य करते हुए उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए श्रमवीरों के आजीविका व जीवन को सुरक्षित रखने के लिए कार्यस्थल पर आवश्यक उपाय सुनिश्चित करना है। इसके लिए इंडस्ट्रियल सेफ्टी ट्रेनिंग का आयोजन किसी मान्यता प्राप्त एजेंसी द्वारा करवाना व उसकी रिपोर्ट विभाग को प्रदाय करना, जिसकी मासिक और वार्षिक समीक्षा हो। उद्योग जो प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से ज्वलनशील या विस्फोटक सामग्री का प्रयोग या उत्पादन करते हों, ऐसे सभी उद्योगों का विशेष सुरक्षा जांच व समीक्षा की जाए। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से भेंट कर बेमेतरा के औद्योगिक हादसे पर गहन चर्चा की, माननीय मुख्यमंत्री ने भी उद्योगों में सुरक्षा सर्वोपरि भाव के साथ सेफ्टी उपायों पर जोर देने पर गंभीरता जताई है। मंत्री श्री देवांगन ने बताया की उद्योग व्यवस्था में सेफ्टी के साथ कोई लापरवाही नहीं बरती जाएगी। शासन द्वारा अधिकारियों को अधिकार दिया जाएगा ताकि वे सुरक्षा मानकों का नियमित जांच कर सके। इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी भी बेहद गंभीर हैं। मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने श्रम विभाग के सचिव को निर्देशित किया है की किसी भी उद्योग में श्रमिकों से 8 घंटे से अधिक काम नहीं लिया जाए। मंत्री श्री देवांगन ने विधानसभा के बीते सत्र में कई विधायकों द्वारा लाए गए संज्ञान का उल्लेख करते हुए की उद्योगों द्वारा श्रम कानून का पालन न करते हुए मनमाने ढंग से श्रमिकों से 12 घंटे से अधिक समय तक कार्य लिया जा रहा है। इसपर अधिकारियों को तत्काल श्रम कानूनों का पालन कराने के निर्देशित किया गया है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है की स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार के अवसर कम उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि छत्तीसगढ़ औद्योगिक नीति 2019-24 के अनुरूप उद्योगों द्वारा आर्थिक निवेश प्रोत्साहन प्राप्त करने हेतु अकुशल श्रेणी में न्यूनतम 100 फीसदी, कुशल श्रेणी में न्यूनतम 70 फीसदी और प्रबंधकीय श्रेणी में न्यूनतम 40 फीसदी रोजगार दिए जाने का प्रावधान है। मंत्री श्री देवांगन ने प्रावधान का पालन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए है।

निर्वाचन प्रक्रिया का अंतिम पड़ाव है मतगणना,प्रेक्षकों की भूमिका महत्वपूर्णःरीना बाबासाहेब कंगाले

देश के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ के 56 अधिकारी निभाएंगे मतगणना प्रेक्षक की भूमिका

-संवाददाता-
एमसीबी,28 मई 2024
(घटती-घटना)।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने रायपुर के नवीन विश्राम गृह में आयोजित मतगणना प्रेक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मतगणना प्रेक्षक (काउंटिंग ऑब्जर्वर) की भूमिका मतगणना के दौरान अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है। मतगणना संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया का अंतिम पड़ाव है। इसलिए सभी की नजर मतगणना की प्रक्रिया पर केंद्रित होती है। ऐसे में मतगणना प्रेक्षक की भूमिका सबसे अहम हो जाती है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कंगाले ने मतगणना प्रेक्षकों के प्रशिक्षण में कहा कि मतगणना के दौरान मतगणना प्रेक्षक की भूमिका निभाने वाले अधिकारियों को मतगणना के सभी पहलुओं की बारीक जानकारी होनी चाहिए। मतगणना केंद्र पर पारदर्शी ढंग से मतगणना की प्रक्रिया पूर्ण हो, इसके लिए मतगणना प्रेक्षक को निष्पक्ष और सभी प्रक्रियाओं से संबंधित जानकारी से परिपूर्ण होना चाहिए।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के अंतर्गत आगामी 4 जून को होने वाली मतगणना के लिए छत्तीसगढ़ के 56 अधिकारियों को देश के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना प्रेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा के 20 और राज्य प्रशासनिक सेवा के 36 अधिकारी शामिल हैं।

प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर श्री यू.एस. अग्रवाल,श्री विनय अग्रवाल और श्री रुपेश कुमार वर्मा ने मतगणना स्थल पर प्रेक्षक की भूमिका,ईटीपीबीएस एवं डाक मतपत्रों की गणना एवं ईवीएम से मतगणना संबंधी सभी बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। मास्टर ट्रेनर्स ने मतगणना हॉल में कितने टेबल लगाए जाने हैं,टेबल किस प्रकार लगाए जाने हैं, प्रत्याशी, उनके अधिकृत प्रतिनिधि और मतगणना अभिकर्ता कितने होंगे तथा किन स्थानों पर बैठेंगे,वीवीपैट की गणना के लिए कौन सा टेबल निर्धारित किया जाए,डाक मतपत्रों की गणना कहाँ हो, कौन सी सावधानियां बरतने की जरूरत है जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों पर भी जानकारी साझा की। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना प्रेक्षक के रूप में नियुक्त राज्य के अधिकारियों के व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण स्थल पर मास्टर ट्रेनर रुपेश कुमार वर्मा ने प्रायोगिक तौर पर ईवीएम का संचालन भी अधिकारियों के समक्ष किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

पत्थर में फंसा मिला नदी में डूबे डाक्टर की शव

-संवाददाता-
कोरबा,28 मई 2024 (घटती-घटना)। हसदेव पुल के पास सोमवार को नदी में नहाने उतरे दो डाक्टर में एक पानी में डूब गया था। रेस्क्यू टीम ने मंगलवार को डूबे हुए डाक्टर का शव नदी के अंदर से निकाला। शव पानी के नीचे पत्थर में फंसे हुआ था। वैधानिक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कर शव स्वजनों को सौंप दिया गया। बताया जा रहा हैं की बिलासपुर के सरकंडा क्षेत्र लोधीपारा निवासी डा सिद्धार्थ ताम्रकार पिता सीताराम ताम्रकार 35 वर्ष और डा ऋषभ आग्रवाल निवासी रायपुर दोनो दोस्त हैं। दोनों कार से मैनपाट घूमने के लिए गए हुए थे। वहां से वापस लौट रहे थे। लौटते वक्त मोरगा हसदेव पुल के पास पुनः नहाने के लिए उतर गए। इस दौरान सिद्धार्थ ताम्रकार गहरे पानी में चला गया,इसके बाद से वह लापता हैं। डा ऋषभ अग्रवाल ने अपने स्तर पर उसे ढूंढने बहुत कोशिश की,पर सफलता नहीं मिल सकी। तब डॉ. अग्रवाल ने घटना की सूचना मोरगा पुलिस को दी।पुलिस ने स्थल पर पहुंच कर सिद्धार्थ की पतासाजी की, पर सफल नहीं होने पर स्थानीय के अलावा बिलासपुर से गोताखोर टीम बुलाई। मंगलवार को भी टीम सुबह से पतासाजी में जुटी थी। दोपहर तीन बजे नदी के अंदर पत्थर में दबे हुआ सिद्धार्थ का शव टीम को मिला। बाहर निकाल कर पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार के लिए स्वजनों को सौंप दिया। बताया जा रहा है कि डॉ. सिद्धार्थ ताम्रकार मुंगेली जिले के पथरिया स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ थे।

भीषण गर्मी में संचालित हो रहा पॉलिटेक्निक कॉलेज छात्र हो रहे बीमार

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 मई 2024
(घटती-घटना)।

सूरजपुर सूरजपुर जिले के ग्राम पर्री में संचालित पॉलिटेक्निक कॉलेज भीषण गर्मी व उमस के बीच संचालित है। बता दें की वर्तमान में सूरज आग उगल रहा है जिससे जिले का पारा बढ़कर 44,45 डिग्री तक पहुंच गया है।यहां संचालित पॉलिटेक्निक कॉलेज का निर्माण आधा अधूरा होने के साथ लंबे समय से निर्माण कार्य बंद पड़ा है ,वेटनरी कॉलेज के एक हिस्से में वर्तमान में यहां पढ़ाई हो रही है। दो मंजिला इमारत में भूतल के हिस्से में वेटनरी पॉलिटेक्निक कॉलेज संचालित है वहीं पहली मंजिल में पॉलिटेक्निक कॉलेज संचालित होने से ऊपरी तल तेज धूप व दिन भर चलने वाली लू गर्म हवाओं के थपेड़ों से छात्रों का क्लास में बैठना मुश्किल हो रहा है।धूप में घर से निकलने आने जाने में और दिन भर क्लास रूम में बैठना छात्र छात्राओं के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है।खुले मैदान के बीच कॉलेज का संचालित होना विद्यार्थियों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है।लगातार बढ़ते तापमान के बीच कॉलेज संचालन छात्र छात्राओं के सेहत पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा और वे डिहाइड्रेशन, लू लगने बेचैनी जैसी शिकायत से परेशान हैं। जहां गर्मी के शुरुआत में ही स्कूल कॉलेज परीक्षा के बाद बंद हैं वही कुछ शिक्षण संस्थानों का इस भीषण गर्मी में संचालित होना छात्र छात्राओं के साथ अभिभावकों को भी परेशान कर रहा है।नवतपा में तो जहां लोग घरों में दुबके पड़े हैं और घर से बाहर निकलने में परहेज कर रहे वही कुछ शिक्षण संस्थानों के वर्तमान में संचालित होना समझ से परे है।अभिभावकों ने इस और शासन व जिला प्रशासन से इस ओर आवश्यक पहल की मांग की है।

पीपीटी के माध्यम से महिलाओं को दी गई माहवारी स्वच्छता प्रबंधन की जानकारी

संवाददाता-एमसीबी/28 मई 2024(घटती-घटना)। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में समूह की महिलाओं और स्वच्छाग्रही समूह के द्वारा माहवारी जागरूकता अभियान अंतर्गत जागरूकता हेतु सेनेटरी नैपकिन का वितरण उपयोग और माहवारी के प्रति भ्रांतियों के प्रति जागरूकता हेतु गतिविधि आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में महिलाओं के साथ स्वच्छता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पीपीटी के माध्यम से सेनेटरी नैपकिन की उपयोगिता एवं माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

पेशी में कोर्ट पहुंचे युवकों पर अज्ञात लोगों ने मिर्च पाउडर,स्टिक से किया हमला

-संवाददाता-
कोरबा,28 मई 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र में न्यायालय के समीप दिनदहाड़े अज्ञात लोगों ने तीन युवकों पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बताया जा रहा है के हमला फिल्मी स्टाइल में किया गया । यह सारा घटनाक्रम मंगलवार दोपहर लगभग 1 बजे का है,जब कोतवाली थाना अंतर्गत पुरानी बस्ती निवासी गौरव ठाकुर, चमन तुली और मुस्सू पेशी के लिए कटघोरा न्यायालय गए हुए थे। यहां दोपहर करीब 01 बजे ये तीनों नाश्ता करने के लिए बाइक में सवार होकर न्यायालय के पास होटल की ओर जा रहे थे कि तभी एक कार यहां पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार सवारों ने बाइक के आगे फिल्मी अंदाज में खड़ी कर रास्ता रोका। बाइक के रुकते ही कार से कुछ लोग बाहर निकले और एक ने हाथ में रखे मिर्च पाउडर को गौरव ठाकुर के चेहरे पर मलते हुए आंख में छिड़का,फिर बेस बाल स्टिक,रॉड व हाथ-मुक्का से इन तीनों पर टूट पड़े। इस दौरान यहां भगदड़ की स्थिति निर्मित हो गई । वहीं हमला करने के बाद सभी लोग कार पर सवार होकर भाग निकले। इस बीच सूचनाओं के मुताबिक कार सवारों ने भागते वक्त रास्ते में एक ग्रामीण को उड़ा दिया जिससे उसका पैर फैक्चर होना बताया जा रहा है। रास्ते में कार सवार द्वारा दो से तीन जगह और एक्सीडेंट होने की खबर बताई गई है।जिसकी पुलिस द्वारा सूचना मिलने के बाद तलाश जारी है ,वहीं घायल लड़कों को कटघोरा के सरकारी अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। सूत्रों के माने तो यह सारा मामला किसी गैंगवार से जुड़ा है जिसमें रंजिश निभाई गई है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-23

ईश्तहार

एतदद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-सतपता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री हरीप्रसाद पिता कालीचरण, जाति चमार, निवासी ग्राम सतपता, तहसील सूरजपुर, जिला-सूजरपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम-सतपता, प0ह0नं0 54, रा0नि0म0 पिलखा, तहसील सूरजपुर स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्रमांक 176 रकबा 0.040 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 10/06/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 27/05/2024 को न्यायालयीन को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर, जिला-सूरजपुर

रा.प्र.क्र. अ-2/2020-23

ईश्तहार

एतदद्वारा आमग्रामीण जन ग्राम-केतका को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री बाबूलाल सिंह आ0 धरमपाल सिंह, जाति गोड़,निवासी ग्राम केतका, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम-केतका, ज0ह0नं0 16, रा0नि0म0 पचिरा, तहसील सूरजपुर स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्रमांक 1460/3 रकबा 0.02 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिए भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 10/06/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 27/05/2024 को न्यायालयीन को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. .../ब-121/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राहुल गर्ग आ0 स्व0 राजेन्द्र कुमार निवासी विजय मार्ग संगम चौक अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा भूमिस्वामी श्री फकीरचंद अग्रवाल आ0 तेजराम अग्रवाल के नाम से भूमि प्लाट नम्बर 5/11 रकबा 7405.00 वर्गफीट एवं श्रीमती प्रभादेवी अग्रवाल पत्नी तेजराम अग्रवाल के नाम से प्लाट नम्बर 5/12 रकबा 7344 वर्गफीट नजूल भूमि मनेन्द्रगढ़ रोड तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 स्थित भूमि को मुख्तार आम के अनुसार भू-तल पर रकबा 1370 वर्गमीटर भूमि पर सुरक्षा की दृष्टि से अहाता निर्माण हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र बावत आवेदन पत्र मेंटनेन्स खसरा रजिस्ट्री एवं प्रस्तावित नक्शा की छायाप्रति सहित आवेदन भवन निर्माण अनुज्ञा शाखा में प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16/06/2024 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजुल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ लिंक कोर्ट बिहारपुर, जिला-सूरजपुर

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202402260400042/ अ-19(1)/2023-24

आम जनता/ग्रामीणजन को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम विशालपुर के आवेदिका/अपीलार्थी महाबीर, सीताराम आ0/पति ननका, रामरती आ0 उजीत जाति पण्डो निवासी ग्राम विशालपुर तहसील बिहारपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) ने ग्राम विशालपुर तहसील बिहारपुर जिला सूजरपुर छ0ग0 में स्थित भूमि खसरा नं0 456, 455/1 रकबा क्रमशः 2.02, 2.02 हे0 भूमि में अनावेदक/उत्तरवादी बृजेश आ0 श्यामकार्तिक एवं ओमकारनाथ आ0 हरिशंकर ब्राम्हण निवासी विशालपुर तहसील बिहारपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) ने फर्जी पट्टा निरस्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है जिसका आवेदन पत्र पर कार्यवाही प्रारंभ कर दिया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में अपील प्रस्तुत किये जाने से किसी हितबद्ध पक्षकार/व्यक्ति को आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत 06.08.2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। एवं तद्नुसार कार्यवाही कर दिया जाएगा।

आज दिनांक 22/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0) भैयाथान,सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202405020700038

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-राजस्व सनः 2023-2024

नमनाकला प.ह.न. 00020 [हे0)]

पक्षकारों का विवरण-

आवेदक पक्षकार- मुन्नी बाई

अनोवदक पक्षकार - वीणा राजवाड़े

ईश्तहार

आवेदक मुन्नी बाई पत्नी अशोक राजवाड़ निवासी ग्राम सोनवाही, तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 250/30 रकबा 0.020 हे0 भूमि को आवेदिका एवं अनावेदिका द्वारा संयुक्त रूप से पंजीबद्ध विक्रयपत्र के माध्यम से क्रय किया गया है। किन्तु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में मात्र अनावेदिका का नाम दर्ज है, आवेदिका का नाम त्रुटिवश दर्ज होने से छूट गया है। जिसे सुधार कर अनावेदिका के साथ अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/06/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थि होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/05/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. .../अ-6/2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक भरत सिंह आ0 सुदर्शन सिंह एवं भुआल सिंह आ0 स्व0 सुदर्शन सिंह दोनों निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा माननीय चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के व्य. वाद. क्रमांक अ-160/2021 संस्थित दिनांक 18.082021 के तहत पारित आदेश दिनांक 1701/2024 के अनुसार मोहल्ला, सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 स्थित भूखण्ड क्रमांक 598/1, 668/4, 661/2 रकबा क्रमशः 0.024, 0.017, 0.030 हे0 भूमि से अनावेदिका श्रीमती विमला सिंह पुत्री स्व0 सुदर्शन सिंह पत्नी सत्यदेव सिंह निवासी ग्राम नगर तहसील रसड़ा जिला बलिया उ0प्र0 श्रीमती सीमा सिंह पुत्री स्व0 सुदर्शन सिंह पत्नी प्रकाश सिंह निवासी मिशन चौक केदारपुर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 का नाम विलोपित करते हुए अपना नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदन पत्र के साथ मेंटनेन्स खसरा एवं डिक्री की छायाप्रति पेश की गई है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 19/06/2024 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजुल अधिकारी अम्बिकापुर

दो प्रथम श्रेणी के मैच खेलेगी टीम इंडिया ए

युवा खिलाड़ियों को मिलेगा मौका

नई दिल्ली,28 मई 2024। भारतीय टीम को इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। दोनों टीमों के बीच बॉर्डर-गावस्कर सीरीज ऑस्ट्रेलिया में खेली जाएगी। इस अहम सीरीज से पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया की ए टीमें एक दूसरे के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैच खेलेंगी। इन अभ्यास मैचों से दोनों टीम के उभरते हुए खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में जगह बनाने की दावेदार पेश करने का मौका मिलेगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को ये घोषणा करते हुए बताया कि ये मुकाबले 31 अक्टूबर से तीन नवंबर तक मैकाय के ग्रेट बैरियर रीफ एरेना और सात से 10 नवंबर तक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेले जाने हैं। भारतीय महिला क्रिकेट टीम भी लगभग उसी समय ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। दोनों टीमों के बीच आठ दिसंबर को होने वाला दूसरा वनडे मैच दूसरे टेस्ट की तारीखों से टकरा सकता है। ऑस्ट्रेलिया ने 2017 के बाद से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है। पिछली सभी चार सीरीज ऑस्ट्रेलिया 1-2 से हार चुका है जिसमें 2018-19 और 2020-21 में घरेलू मैदान पर खेली गई दो सीरीज भी शामिल हैं।

भारतीय महिला टीम 17 नवंबर से वाका मैदान पर आपस में टीम बनाकर तीन वनेड मैच खेलेगी। भारत ने 2020-21 में अपने ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर भी ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मैच खेले थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुरुआती टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में होने वाला है।

आईसीसी ने अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट को लिस्ट-ए का दर्जा दिया

नई दिल्ली,28 मई 2024। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने एक बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, आईसीसी ने एक एसोसिएट-संचालित फ्रेंचाइजी लीग को लिस्ट-ए का दर्जा दे दिया है। ये क्रिकेट लीग और कोई नहीं बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका में खेली जाने वाली मेजर लीग क्रिकेट है। वहीं इस मामले में मेजर लीग क्रिकेट दूसरी एसोसिएट संचालित फ्रेंचाइजी प्रतियोगिता बन गई है। जबकि पहले नंबर पर यूएई के आईएलटी-20 है। मेजर लीग क्रिकेट को पिछले साल अपने पहले सीजन में फैंस का भरपूर प्यार मिला था। पहले सीजन में मिली भरपूर कामयाबी के बाद लीग ने दूसरे सीजन का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। मेजर लीग क्रिकेट के दूसरे सीजन की शुरुआत 5 जुलाई से होने वाली है। वहीं, इसका फाइनल मुकाबला 28 जुलाई को खेला जाएगा। दूसरी सीजन की शुरुआत से पहले लिस्ट ए का दर्जा मिलना मेजर लीग क्रिकेट के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। लिस्ट-ए का दर्जा मिलने का मतलब है कि अब खेल को आधिकारिक टी20 लीग के रूप में मान्यता दी जाएगी। जिसमें टूर्नामेंट खेलने के रिकॉर्ड अब आधिकारिक फॉर्मेट के आंकड़ों के रुप में गिने जाएंगे। इससे पहले इस लीग में बनने वाले रिकॉर्ड टी20 क्रिकेट में नहीं जुड़ पाते थे।

संक्षिप्त खेल समाचार

संन्यास का ऐलान कर सकते हैं रफैल नडाल

हालैंड,28 मई 2024। दुनिया के बेहतरीन टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल फ्रेंच ओपन के पहले दौर में हारकर बाहर हो गए हैं। अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ मैच में नडाल को सीधे सेट में 3-6, 6-7, 3-6 से हार मिली। माना जा रहा है कि, 14 बार के चैंपियन का रोलां गैरो पर ये आखिरी मैच था। अपने लंबे और सुनहरे करियर में पहली बार नडाल क्लेकोर्ट पर लगातार दो मैच हारे हैं। फ्रेंज ओपन में पहली बार वह चौथे दौर से पहले बाहर हुए हैं। क्लेकोर्ट पर इस ग्रैंडस्लैम में उन्होंने 116 मैचों में 112 जीते हैं। राफेल नडाल को संभवत आखिरी बार खेलते देखने के लिए करीब 15000 दर्शक मौजूद थे,जिन्होंने तालियां बजाकर उनका अभिवादन किया। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल तीन जून को 38 साल के हो जाएंगे। वह जनवरी 2023 से कूल्हे और पेट की चोटों से जूझ रहे हैं। इस साल उन्होंने 15 मैच खेले और उनका रिकॉर्ड 8-7 का रहा है। चोटों की वजह से उनकी रैंकिंग गिरकर 275वीं हो गई और फ्रेंच औपन में पहली बार वह गैर वरीय खिलाड़ी थे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग सत्र में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड बनाया

4-2 की जीत के दौरान रोनाल्डो ने विजेता टीम की ओर से दो गोल दागे

सेंटियागो,28 मई 2024। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग फुटबॉल सत्र का अंत सर्वाधिक गोल के रिकॉर्ड के साथ किया। अल नासर की अल इतिहाद पर 4-2 की जीत के दौरान रोनाल्डो ने विजेता टीम की ओर से दो गोल दागे। इसके साथ ही लीग में उनके गोलों की संख्या 35 हो गई जो 2019 में बनाए अब्दररजाक हमदल्लाह के पिछले रिकॉर्ड से एक गोल अधिक है। अल नासर की टीम 82 अंक के साथ लीग में दूसरे स्थान पर रही।

टीम स्थानीय दावेदार अल हिलाल से 14 अंक पीछे रही जिसने दो हफ्ते से भी अधिक समय शेष रहते चैंपियनशिप जीत ली थी और सोमवार को सत्र का अंत 34 दौर की लीग में अजेय रहते हुए किया।

टीम स्थानीय दावेदार अल हिलाल से 14 अंक पीछे रही जिसने दो हफ्ते से भी अधिक समय शेष रहते चैंपियनशिप जीत ली थी और सत्र का अंत 34 दौर की लीग में अजेय रहते हुए किया। टीम ने अपने अंतिम लीग मैच में अल वेहदा को 2-1 से हराया। अल हिलाल की टीम नेमार की गैरमौजूदगी में भी विरोधी टीमों पर आसानी से दबदबा बनाने में सफल रही। नेमार पिछले साल अगस्त में पेरिस सेंट जर्मेन को छोड़कर इस टीम से जुड़े थे लेकिन अक्टूबर में एसीएल की चोट के कारण पूरे सत्र से बाहर हो गए।

तीन खिलाड़ियों ने अर्जेंटीना की राष्ट्रीय महिला फुटबॉल टीम छोड़ी

शिकागो,28 मई 2024। अर्जेन्टीना की तीन महिला खिलाड़ियों ने दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैचों से पहले शिविर में वेतन और परिस्थितियों को लेकर विवाद के बाद राष्ट्रीय टीम छोड़ दी। राष्ट्रीय टीम में नियमित तौर पर खेलने वाली गोलकीपर लॉरिना ओलिविरोस,डिफेंडर जूलिएटा क्रूज और मिडफील्डर लोरेना बेनिटेज ने अपने कदम की घोषणा की जबकि टीम ने शुक्रवार और तीन जून को कोस्टा रिका के खिलाफ मैत्री मैचों के लिए तैयारी शुरू कर दी है। क्रूज ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ''हम एक ऐसे बिंदू पर पहुंच गए हैं जहां हम अन्याय से थक गए हैं, हमें महत्व नहीं दिया जा रहा, हमारी बात नहीं सुनी जा रही और इससे भी बदतर, अपमानित किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हमें अर्जेंटीना की महिला फुटबॉल राष्ट्रीय टीम में सुधार की जरूरत है और मैं केवल वित्त के बारे में बात नहीं कर रही। मैं ट्रेनिंग, दोपहर के भोजन, नाश्ते के बारे में बोल रही हूं। क्रूज और बेनिटेज ने कहा कि राष्ट्रीय टीम के ट्रेनिंग सत्र के दौरान उन्हें हैम (एक प्रकार का मांस), पनीर सैंडविच और केला मिला जो उनका मानना है कि उच्च प्रदर्शन वाले खिलाड़ियों के लिए अपर्याप्त है। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना के फुटबॉल संघ ने उन्हें बताया कि उन्हें दो मैत्री मैचों के लिए भुगतान भी नहीं किया जाएगा क्योंकि खेल ब्यूनस आयर्स में घरेलू मैदान पर होंगे।

बेनिटेज ने कहा कि खिलाड़ियों को भुगतान ना करने के अलावा उनके परिवार के सदस्यों से टिकटों के लिए 5,000 पेसो (पांच डॉलर) का शुल्क लिया जा रहा था। इस मिडफील्डर ने कहा, ''और ऐसी लाखों चीजें हैं जिनसे हम गुजरे हैं।

सिनेमा लवर्स डे पर राजकुमार राव,जान्हवी कपूर स्टारर मिस्टर एंड मिसेज माही के टिकट की कीमतें केवल 99

जान्हवी कपूर और राजकुमार राव की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म बस कुछ ही दिनों में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस बीच मिस्टर एंड मिसेज माही की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो गई है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली है। हालांकि, मेकर्स सिनेमा लवर्स डे को पूरी तरह से सेलिब्रेट कर रहे हैं। ओपनिंग डे पर मूवी टिकटों की कीमतें काफी कम हो गईं, जिससे बिजनेस को फायदा होगा।

सिनेमा प्रेमी दिवस के लिए 99 रुपये के टिकट

पिछले कुछ समय से फिल्में बिजनेस के लिए संघर्ष कर रही हैं। ऐसे में मिस्टर एंड मिसेज माही अपनी रिलीज के साथ बॉक्स ऑफिस पर कुछ राहत ला सकती है। जान्हवी कपूर और राजकुमार राव की यह फिल्म सिनेमा लवर्स डे के मौके पर यानी शुक्रवार को रिलीज हो रही है। इसलिए मिस्टर एंड मिसेज माही की टिकट की कीमत 99 रुपये बेची जा रही है।

फिल्म के बारे में

मिस्टर एंड मिसेज माही में राजकुमार और जान्हवी के अलावा अभिषेक बनर्जी, राजेश शर्मा, कुमुद मिश्रा, जरीना वहाब और पूर्णेंदु भट्टाचार्य मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की शूटिंग पिछले साल 1 मई को पूरी हो गई थी। मिस्टर एंड मिसेज माही का निर्देशन शरण शर्मा द्वारा किया गया है, जिन्होंने गुंजन सक्सेना द कारगिल गर्ल से निर्देशन की शुरुआत की थी, जिसमें जान्हवी भी मुख्य भूमिका में थीं। मिस्टर एंड मिसेज माही को हीरू यश जौहर का समर्थन प्राप्त है। वहीं, करण जौहर और अपूर्व मेहता ने धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म का समर्थन किया है। यह फिल्म 2021 की हॉरर थ्रिलर रूही के बाद जान्हवी और राजकुमार के दूसरे सहयोग का प्रतीक है।

काम के मोर्चे पर

मिस्टर एंड मिसेज माही के अलावा, राजकुमार को हाल ही में इसी महीने श्रीकांत में देखा गया था, जो उद्योगपति श्रीकांत बोला की प्रेरक यात्रा पर आधारित है। फिल्म सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक चल रही है। इनके बाद वह श्रद्धा कपूर के साथ स्त्री 2 और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आएंगे। दूसरी ओर, जान्हवी के पास वरुण धवन के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी है। वह जूनियर एनटीआर के साथ देवारा- पार्ट 1 के साथ अपना तेलुगु डेब्यू भी करेंगी। इसके बाद वह राम चरण की अगली अनाम फिल्म में उनके साथ नजर आएंगी।

फिल्म बीवी नंबर 1 के हुए 25 साल पूरे

क्या है सलमान खान-करिश्मा कपूर स्टारर फिल्म से जुड़ी दिलचस्प बातें!

25 साल पहले आज ही के दिन सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन अभिनीत फिल्म %बीवी नंबर 1% रिलीज हुई थी। यह फिल्म 28 मई 1999 को सिनेमाघरों में आई थी। यह एक मल्टी-स्टारर फिल्म थी, जिसमें करिश्मा कपूर, सलमान खान, सुष्मिता सेन, अनिल कपूर और तब्बू ने अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला. इस फिल्म की सिल्वर जुबली के मौके पर जानिए फिल्म की कहानी और दिलचस्प किस्से-

बीवी नंबर 1 उस समय की ब्लॉकबस्टर फिल्म थी

बीवी नंबर 1 ने बॉक्स ऑफिस पर 49.81 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म थी, जिसने लोगों को खूब हंसाया और एक पत्नी की ताकत भी दिखाई. विवाहेतर संबंध पर आधारित होने के बावजूद यह पूरी तरह से पारिवारिक फिल्म थी।

बीवी नंबर 1 का निर्देशन डेविड धवन ने किया था। फिल्म में करिश्मा कपूर ने एक आदर्श गृहिणी पूजा मेहरा का किरदार निभाया था. सलमान खान ने (करिश्मा के) पति प्रेम की भूमिका निभाई। सुष्मिता सेन ने रूपाली नाम की एक मॉडल का किरदार निभाया था, जिसके प्यार में वह इतना पागल हो जाता है कि वह अपनी पत्नी और बच्चों को भी भूल जाता है।

रूपाली की वजह से पूजा का बसा-बसाया घर बर्बाद होने लगता है और वह अपने पति प्रेम (सलमान खान) को सबक सिखाने का फैसला करती है। फिल्म की कहानी और कॉन्सेप्ट दर्शकों को खूब पसंद आया।

इस फिल्म के लिए गोविंदा पहली पसंद थे

लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस फिल्म के लिए गोविंदा डायरेक्टर डेविड धवन की पहली पसंद थे? गोविंदा के पास फिल्म के लिए कोई फ्री डेट्स नहीं थीं, जिसके चलते ये फिल्म सलमान खान की झोली में चली गई। 12 करोड़ रुपये के बजट से बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की. सलमान खान और करिश्मा कपूर की जोड़ी को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया।

अक्षय कुमार की इस आदत से परेशान हैं पत्नी ट्विंकल खन्ना पति को करती है क्रिटिसाइज

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब सुर्खियों में रहते हैं। अक्षय बॉलीवुड इंडस्ट्री के ऐसे एक्टर हैं जिनके पास हमेशा ही एक साथ कई फिल्में होती है। उन्होंने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी है। अक्षय कुमार वैसे तो फिल्मों के बॉस हैं, हालांकि घर की बॉस उनकी पत्नी ट्विंकल खान्ना है। घर के सारे फैसले ट्विंकल ही लेती हैं। हालिए एक इंटरव्यू में अक्षय ने बताया है कि ट्विंकल उनके कपड़ों और स्टाइल को जज करती हैं। वहीं, डेट नाइट पर जाने से पहले अक्षय को ये बातें कहती हैं।

मेरे लुक की क्रिटिसाइज करती हैं ट्विंकल

अक्षय ने हाल ही में एचटी सिटी को दिए एक इंटरव्यू में बताया, मुझे लगता है कि यह सभी पत्नियों का कर्तव्य है कि वे अपने पतियों की कपड़ों की पसंद की आलोचना करें, यही उन्हें खुश करती हैं। हां, जब हम एक साथ किसी कार्यक्रम के लिए तैयार होते हैं तो वह निश्चित रूप से अपनी बात रखती हैं। मेरी अपनी बात है, उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि क्या किया जाए मैं वैसा ही दिखता हूं, लेकिन जब हम साथ होते हैं, तो वह पसंद करती है कि मैं अपना भरोसेमंद ट्रैक पैंट और ट्रेनिंग टी-शर्ट न पहनूं,उसके जगह मैं व्हाइट शर्ट और ब्लू डेनिम पहनूं। हालांकि,मैं उसे दोष नहीं दे सकता।

ट्विंकल को पसंद नहीं हैं महंगे कपड़े पहनूं

अक्षय ने आगे कहा- ट्विंकल को पसंद नहीं कि मैं बहुत ज्यादा महंगे कपड़े पहनूं। जब हम एक साथ किसी इवेंट में साथ जाते हैं तो ट्विंकल चाहती हैं कि मैं ट्रैक पैट्स और टी-शर्ट में न जाऊं। हम दोनों अच्छी तरीके से तैयार होकर कार्यक्रम में जाएं। मैं इस बात के लिए मैं उसको ब्लेम नहीं कर सकता हूं। ये उसकी बात सही है और मुझे ऐसा करना अच्छा लगता है।

शबाना आज़मी ने शशि कपूर के साथ इंटीमेट सीन करने से किया था इंकार

आज के समय के विपरीत एक समय था जब अभिनेत्रियाँ ऑनस्क्रीन अंतरंग होने में बेहद असहज होती थीं। लेकिन फिर भी आज भी कुछ ऐसे कलाकार हैं जो स्क्रीन पर इंटीमेट होने से बचते हैं। शबाना आज़मी, जिन्होंने हाल ही में करण जौहर के निर्देशन में बनी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में धर्मेंद्र के साथ लिप-लॉक करके सुर्खियां बटोरीं, एक समय बड़े पर्दे पर अंतरंग दृश्य करने में असहज थीं। एक समय था जब एक फिल्म में उनके साथ अंतरंग होने से इनकार करने पर दिवंगत दिग्गज अभिनेता शशि कपूर ने उन्हें बेवकूफ लड़की कहा था। जूम के साथ अपने नवीनतम साक्षात्कार में, शबाना आज़मी ने याद किया कि कैसे शशि ने उन्हें अंतरंग दृश्य करने से मना करने के लिए डांटा था, जब आपने कहा था कि मम्मी मम्मी मैं भी एक्ट्रेस बनूंगी, तब तुम्हें ये ख्याल नहीं आया। उन्होंने एक्टर को पागल कहा।

शोएब ढेबर ईओडब्ल्यू की हिरासत में

रायपुर,28 मई 2024 (ए)। शराब घोटाले में ईओडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई, अनवर ढेबर के बेटे शोएब ढेबर और कारोबारी नितेश पुरोहित के बेटे को हिरासत में ले लिया है। आपको बता दें कि अनवर ढेबर का बेटा है शोएब ढेबर जिसे आज ईओडब्ल्यू ने शराब घोटाले मामले की पूछताछ करने के लिए हिरासत में लिया है। वही कारोबारी नितेश पुरोहित के बेटे को भी ईओडब्ल्यू हिरासत में ले लिया है। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले मामले में जेल में बंद आरोपी अनवर ढेबर की जमानत याचिका खारिज हो थी जिसके बाद उसे लगातार जेल में ही रहना पड़ा था जिसके बाद आज ईओडब्ल्यू ने मामलें में बड़ा एक्शन लेते हुए दोनों कारोबारी के बेटों को हिरासत में लिया है।

शराब घोटाले को लेकर हो रहे कई बड़े खुलासे

वहीं शराब घोटाले मामले में त्रिलोक सिंह ढिल्लन की लगी जमानत याचिका पर शुक्रवार को फैसला होगा। इसके साथ ही शराब घोटाले में नए एविडेंस मिलने के बाद ईडी ने जेल में बंद आरोपियों से पूछताछ के लिए आवेदन लगाया था। इसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने ईडी के आवेदन को स्वीकार कर लिया और 27 मई से 31 मई तक पूछताछ की अनुमति दे दी है। अब ईडी जेल में अनवर ढेबर, आबकारी विभाग के पूर्व अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी, शराब कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लन से पूछताछ की अनुमति दी है। बताया जा रहा है कि सभी लोगों को एक साथ बैठाकर पूछताछ की जाएगी।

क्या है पूरा मामला

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में फंसे अनवर ढेबर की अंतरिम जमानत अर्जी को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। इस बार भी ढेबर ने मेडिकल ग्राउंड पर बेल मांगी थी। वहीं, ईओडब्ल्यू की स्रढ्ढक्र को चुनौती देते हुए नितेश और यश पुरोहित की याचिका पर कोर्ट ने उन्हें गिरफ्तार नहीं करने के लिए कहा है। कोर्ट ने उन्हें जांच में सहयोग करते हुए 22 मई को ईओडब्ल्यू के सामने हाजिर होने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, जेल में बंद आरोपी अनवर ढेबर ने लोअर कोर्ट से अंतरिम जमानत अर्जी खारिज होने के बाद हाईकोर्ट की शरण ली थी। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बीच उनके वकील ने अंतरिम जमानत अर्जी पर जल्द सुनवाई का आग्रह किया, जिस पर जस्टिस पीपी साहू की सिंगल बेंच ने मामले की सुनवाई की।ढेबर के वकील ने मेडिकल ग्राउंड पर इलाज के लिए जमानत देने का आग्रह किया थे। साथ ही कहा कि अनवर को किडनी की बीमारी है और उन्हें यूरिन करने में दिक्कत हो रही है। सुनवाई के दौरान यह भी तर्क दिया गया कि ढेबर का इलाज चल रहा है, जिसके लिए अस्पताल जाने की जरूरत पड़ती है। जेल में गार्ड उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिसके चलते इलाज नहीं हो पा रहा है। वहीं, ईओडब्ल्यू की तरफ से अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा कि अनवर को गिरफ्तार किया गया था, तब भी वह जानबूझकर मेडिकल इमरजेंसी का हवाला देकर अस्पताल में भर्ती हो गए। ईओडब्ल्यू ने मेडिकल बोर्ड से जांच कराई है, जिसमें उसे किसी तरह की कोई परेशानी नहीं बताई गई है। के बाद अंतिम सुनवाई के लिए प्रकरण रखने के निर्देश दिए हैं। शराब घोटाले की जांच के बाद ईओडब्ल्यू ने नितेश और यश पुरोहित को भी आरोपी बनाया है। उन्हें पूछताछ के लिए ईओडब्ल्यू ने हाजिर होने के लिए कहा है। इधर, दोनों ने ईओडब्ल्यू की स्रढ्ढक्र को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इसमें अपनी गिरफ्तारी की आशंका को देखते हुए उन्होंने स्रढ्ढक्र को निरस्त करने का आग्रह किया है। इस केस की सुनवाई के दौरान ईओडब्ल्यू की तरफ से अतिरिक्त महाधिवक्ता विवेक शर्मा ने कहा कि वे जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं।

मिला महंगाई भत्ते का तोहफा

» श्रम विभाग ने जारी किया आदेश

रायपुर,28 मई 2024 (ए)। श्रम विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विभिन्न अनुसूचित नियोजनों में कार्यरत श्रमिकों के लिए 01 अप्रैल 2024 से परिवर्तनशील महंगाई भत्ता निर्धारित की गई है। लेबर ब्यूरों शिमला से प्राप्त औद्योगिक सूचकांक में जुलाई 2023 से दिसम्बर 2023 के मध्य 14 बिन्दु की औसत वृद्धि हुई। जिसके अनुसार प्रति बिन्दु 20 रूपए के मान से 45 अनुसूचित नियोजनों में कार्यरत श्रमिकों के परिवर्तनशील महंगाई भत्ता में प्रतिमाह 280 रूपए की वृद्धि की गई। श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कृषि नियोजन में कार्यरत श्रमिकों हेतु लेबर ब्यूरों शिमला से प्राप्त सूचकांक में 56 बिन्दु की औसत वृद्धि होने से 5 रूपए प्रति बिन्दु के मान से 280 रूपए प्रतिमाह परिवर्तनशील महंगाई भत्ते में वृद्धि की गई। इसी प्रकार अगरबत्ती उद्योग में नियोजित श्रमिकों हेतु उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में औसत वृद्धि के आधार पर परिवर्तनशील महंगाई भत्ते 7.08 रूपए प्रति हजार अगरबत्ती निर्माण में निर्धारित की गई।उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग द्वारा न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948 के अंतर्गत 45 अनुसूचित नियोजनों, कृषि नियोजन एवं अगरबत्ती नियोजन में कार्यरत श्रमिकों के लिए महंगाई भत्ते का निर्धारण लेबर ब्यूरो शिमला द्वारा जारी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर वर्ष में दो बार 01 अप्रैल एवं 01 अक्टूबर को किया जाता है। जारी आदेशानुसार श्रमिकों के लिए 01 अप्रैल 2024 से 30 सितम्बर 2024 तक न्यूनतम वेतन की दरें निर्धारित की गई है। जिसमें अकुशल 'अ' श्रमिक वर्ग के लिए प्रतिमाह 10,900 रूपए, 'ब' वर्ग के लिए 10,640 रूपए तथा 'स' वर्ग के लिए 10,380 रूपए निर्धारित की गई है। अर्द्धकुशल 'अ' वर्ग के लिए 11,550 रूपए, 'ब' वर्ग के लिए 11,290 रूपए तथा 'स' वर्ग के लिए 11,030 रूपए निर्धारित की गई है। कुशल 'अ' वर्ग के लिए 12,330 रूपए, 'ब' के लिए 12,070 रूपए तथा 'स' के लिए 11,810 रूपए निर्धारित की गई है। इसी प्रकार उच्च कुशल 'अ' वर्ग के लिए 13,110 रूपए, 'ब' के लिए 12,850 रूपए तथा 'स' वर्ग के लिए 12,590 रूपए किया गया है

अब डोंगरगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष की कुर्सी खतरे में

» भाजपा पार्षदों ने पेश किया अविश्वास प्रस्ताव

राजनांदगांव,28 मई 2024 (ए)। राज्य में भाजपा के सत्ता पर काबिज होते ही पावर गेम के तहत कई नगरीय निकायों में कांग्रेस समर्थित अध्यक्षों को अपनी कुर्सी से हाथ धोना पड़ा है। इसी कड़ी में डोंगरगढ़ में भी नगर पालिका की कुर्सी पर काबिज कांग्रेस अध्यक्ष को अविश्वास प्रस्ताव के जरिये हटाए जाने की कवायद शुरू हो गई है। यह जानकारी भी सामने आ रही है कि अध्यक्ष से नाराज चल रहे कांग्रेसी पार्षदों ने कथित रूप से भाजपा पार्षदों के साथ हाथ मिला लिया है। नगर पालिका के 14 पार्षदों ने अध्यक्ष को हटाने के लिए कलेक्टर को पत्र सौंपा है।

डोंगरगढ़ में कांग्रेस के सुदेश मेश्राम पिछले साढे 4 वर्षों से अध्यक्ष की कुर्सी पर काबिज हैं। अविश्वास प्रस्ताव लाने की खबर मिलते ही कांग्रेस भी कुर्सी बचाने के लिए जोड़-तोड़ में लग गई है।

मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को कलेक्टर के समक्ष भाजपा के 14 पार्षदों ने धारा 43(क) छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 2019 का हवाला देते क्षेत्र में 6 बुनियादी समस्याओं को गिनाते हुए अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है।

भाजपा पार्षदों का कहना है कि पालिका अध्यक्ष सुदेश मेश्राम द्वारा साढ़े 4 साल के शासनकाल में जमकर कमीशनखोरी की गई। विकास कार्यों में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया गया। विकास कार्यों के टेंडर प्रक्रिया में भी भारी कमीशनखोरी के आरोप भाजपा द्वारा लगाए गए हैं। इनकी यह भी शिकायत है कि हर तीन माह में सामान्य सभा की बैठक होनी थी, मगर अध्यक्ष द्वारा जानबूझकर बैठक नहीं कराई गई। विपक्ष के पार्षदों द्वारा दो बार विशेष सभा आयोजित करने का निवेदन किया गया। इस पर भी अध्यक्ष ने रूचि नहीं दिखाई। इन्हीं सब मुद्दों को लेकर भाजपा पार्षदों में काफी ज्यादा असंतोष था। जिसके चलते यह अविश्वास प्रस्ताव उनके द्वारा लाया गया है।

बताया जा रहा है कि भाजपा पार्षदों ने सोमवार को पालिका के सभाकक्ष में एकजुट होकर एक बार फिर अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। जिसके बाद पालिका में गहमा-गहमी देखी गई। इस दौरान एक ओर जहां उपाध्यक्ष अपने भाजपा पार्षदों को साथ लेकर बैठे थे, वहीं दूसरी ओर अध्यक्ष के कक्ष में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजय राज सिंह चौहान, हरीश भंडारी, मनोहर कंडरा, ऋषि शर्मा शामिल होकर मंथन करते नजर आये।

पीडिया एनकाउंटर के विरोध में सर्व आदिवासी समाज बस्तर बंद

» सुकमा में नहीं खुली दुकानें, चैंबर ऑफ कॉमर्स ने दिया समर्थन

सुकमा/जगदलपुर,28 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में पीडिया में हुए नक्सली एनकाउंटर के विरोध में सर्व आदिवासी समाज के बस्तर बंद के आह्वान पर सुकमा में सुबह से दुकानें नहीं खुली है। चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भी बंद का समर्थन किया है। मिली जानकारी के अनुसार संभाग के सातों जिलों में आज दुकानें बंद हैं। हालांकि, इमरजेंसी सेवाएं जैसे मेडिकल खुले रहेंगे।पुलिस का दावा है कि पीडिया गांव में हुए एनकाउंटर में 12 नक्सलियों को ढेर किया गया है। जबकि सर्व आदिवासी समाज, सीपीआई और कांग्रेस ने इसे फर्जी बताया है। सामाजिक कार्यकर्ता से लेकर विपक्ष के लोगों ने भी इस मुठभेड़ को फर्जी बताया है। इसी के विरोध में आज विरोध में सर्व आदिवासी समाज के बस्तर बंद के आह्वान किया है।

बेमेतरा बारूद फैक्ट्री ब्लास्ट पर मजिस्ट्रियल जांच हुई शुरू

» इस वजह से क्रांग्रेस ने उग्र प्रदर्शन की दी चेतावनी

बेमेतरा,28 मई 2024 (ए)। जिले के बेरला ब्लॉक के ग्राम पिरदा स्थित स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड कंपनी के बारूद फैक्ट्री में 25 मई को हुए ब्लास्ट को लेकर आज मंगलवार को मजेस्ट्रीयल जांच शुरु हो गई है।

बेरला एसडीएम पिंकी मनहर के नेतृत्व में फैक्ट्री में ब्लास्ट की न्यायिक जांच 4 बिंदुओं पर की जाएगी। वहीं इस मामले में स्पेशल ब्लास्ट कंपनी प्रबंधन पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं किये जाने को लेकर क्रांग्रेस ने उग्र प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

इन चार बिंदु पर होगी जांच

- दुर्घटना विस्फोट का कारण
- फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा किए गए सुरक्षात्मक उपायों का परीक्षण ,अनुज्ञप्ति, भंडारण उपयोग आदि का विवरण
- दुर्घटना विस्फोट के लिए यदि कोई त्रुटि लापरवाही है, तो उत्तरदायित्व का निर्धारण
- अन्य कोई सुझाव या बिंदु जो जांच अधिकारी सम्मिलित करना आवश्यक समझे बता दें,

इन चार बिंदुओं पर बेमेतरा जिला कलेक्टर ने 27 मई को आदेश जारी किया था। इस मामले में एसडीएम पिंकी मनहर के नेतृत्व में 45 दिन के अंदर न्यायिक जांच पूरी की जाएगी।

अगले महीने से भरे जाएंगे 10 वीं और 12 वीं के सप्लीमेंट्री फार्म

रायपुर,28 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के इस साल होने वाली पूरक परीक्षा को लेकर जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि 10 वीं और 12 वीं पूरक परीक्षा के लिए आवेदन अगले माह जून से शुरू हो जाएगी। वहीं परीक्षा जून में ही आयोजित करने की तैयारी है।जानकारी के अनुसार 10 वीं बोर्ड परीक्षा में 19,012 छात्र पूरक परीक्षा के लिए पात्र है। वहीं 12 वीं में 22,232 छात्रों पर पूरक लगा है। माशिमं के मापदंड के मुताबिक एक या दो विषय में पूरक परीक्षा की पात्रता देते है।दूसरी ओर अन्य सालों की तरह इस बार पुनर्मूल्यांकन, पुनर्गणना के लिए ज्यादा फार्म आए हैं। इस बार 30 हजार से अधिक आवेदन आए हैं। जबकि यह आंकड़ा पिछले साल की अपेक्षा 10 हजार से ज्यादा है। वहीं सबसे ज्यादा आवेदन पुर्नमूल्यांकन के लिए मिले है।

प्राप्त अंकों से 10 प्रतिशत से अधिक होने पर ही वृद्धि मान्य होगी

माशिमं ने पहले से ही निर्देश जारी किया कि पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन दो मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा कराया जाएगा। दोनों मूल्यांकनकर्ताओं के दिए अंकों के औसत पूर्व में प्राप्त अंकों से 10 प्रतिशत या उससे अधिक वृद्धि होने पर ही अंकों में वृद्धि मान्य होगी।माशिमं सचिव पुष्पा साहू ने कहा, 10वीं और 12वीं के पूरक परीक्षाओं के लिए जल्द ही आवेदन मंगाया जाएगा। इसकी तैयारी चल रही है। उत्तरपुस्तिका का पुनर्मूल्यांकन का कार्य दो लोगों से कराई जाएगी।

15 नक्सली गिरफ्तार किए गए

जवानों को उड़ाने प्लांट करने वाले थे आईईडी बम

दंतेवाड़ा,28 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में इन दिनों जवान एक्शन मोड में हैं। नक्सल क्षेत्रों में चलाये जा रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत आज फिर गुमलनार गांव से 15 नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं, साथ ही एक डीआरजी भी बरामद की गई है। डीआरजी बस्तर और गीदम थाना पुलिस ने कार्रवाई की है। बता दें कि बीते सोमवार को बीजापुर से भी पुलिस ने दो नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। उस वक्त पुलिस थाना तर्रेम क्षेत्रान्तर्गत पेददागेलुर,चिन्नागेलुर,गुण्डम की ओर डीआरजी बीजापुर एवं थाना तर्रेम का संयुक्त बल गश्त सर्चिंग पर निकली थी,इस दौरानपेद्दागेलुर से 2 माओवादियों को पकड़ा गया। इन नक्सलियों पर एक-एक लाख का इनाम था। बताया गया कि पकड़े गये माओवादी 08 फ़रवरी 2024 को गुण्डम के जंगल में एसटीएफ एवं केरिपु पार्टी पर फायरिंग करने की घटना में शामिल थे। वहीं, इस घटना में एक ग्रामीण की मौत भी हुई थी। इसके अलावा एक 1 माओवादी मिलिशिया सदस्य अशोक कोरसा को भी गिरफ्तार किया गया।

मंत्रालय के समीप नया रेलवे स्टेशन होगा तैयार

» दिवाली से पहले दौड़ेगी ट्रैन

रायपुर,28 मई 2024 (ए)। नए रायपुर से पैसेंजर ट्रेन का इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। मंत्रालय के पास आधुनिक स्टेशन जून में तैयार हो जाएगा, जब दिवाली से पहले रायपुर से मंदिर हसौद, नया रायपुर और सेंट्रल (अभनपुर) के लिए ट्रेनें शुरू होने की उम्मीद है।रेलवे और नया रायपुर की इस संयुक्त परियोजना में नया रायपुर से केंद्री तक 25 किमी. रेलवे ट्रैक बिछाने का काम पूरा हो चुका है. साथ ही नया रायपुर क्षेत्र में तीन मॉडल स्टेशन बनाए जा रहे हैं। मंत्रालय के पास बन रहे मल्टी मोड ट्रांसपोर्ट (एमएमटी) में स्टेशन के पास बस और ऑटो की सुविधा उपलब्ध होगी।एनआरडीए के अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में डीआरएम और एनआरडीए के अधिकारियों ने स्टेशनों का संयुक्त दौरा किया था. इस दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई और परियोजना को जल्द पूरा करने पर सहमति बनी. अटल नगर, उद्योग नगर, मुक्तांगन के पास स्टेशन दिसंबर-2024 तक पूरा हो जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, मंत्रालय के पास सीबीडी रेलवे स्टेशन का काम 80 फीसदी पूरा हो चुका है. इसके डिजाइन में कुछ अहम बदलाव किए गए हैं। गौरतलब है कि नया रायपुर से यह रेल प्रोजेक्ट दिसंबर 2022 में पूरा होना था। कोरोना काल के कारण भी प्रोजेक्ट में देरी हुई।

अवनीश शरण के मार्गदर्शन से बनाई गई अवेयरनेस फिल्म

बिलासपुर,28 मई 2024 (ए)। बोर्ड परीक्षा परिणाम के बाद असफल बच्चों को गलत कदम उठाने से बचाने के लिए कलेक्टर अवनीश शरण ने ऐसे बच्चों को मोटिवेट करते हुए अपनी 10 वीं की अंकसूची इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर जारी कर बच्चों को निराश ना होने और आगे की सोचने की सलाह दी है। बच्चों मे जागरूकता फैलाने के लिए आर्यन की टीम ने एग्जाम प्रेशर नाम से एक अवेयरनेस फिल्म कलेक्टर अवनीश शरण के मार्गदर्शन मे बनाई है। इसका वीडियो और पोस्टर सोमवार को कलेक्टर ने लांच किया। फिल्म के राइटर और डायरेक्ट रामानंद तिवारी हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म बच्चों के परीक्षा परिणाम के दबाव को कम करने के लिए उपयोगी है। साथ ही अभी से निरंतर प्रयास से बड़े से बड़े लक्ष्य को पाया जा सकता है। फिल्म में यही सब दिखाने की कोशिश की गई है। फिल्म का विषय कलेक्टर अवनीश शरण पर केंद्रित है। 10 वीं में कम नंबर आने के बाद भी वे निराश नहीं हुए और स्टेट लेवल 23 एग्जाम फेल करने के बाद भी निरंतर प्रयास कर यूपीएससी जैसे एग्जाम को क्रेक कर कैसे आज कलेक्टर बनकर असफलता ही सफलता की कुंजी है कथन को सत्य साबित कर दिया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)